Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 12
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 19 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

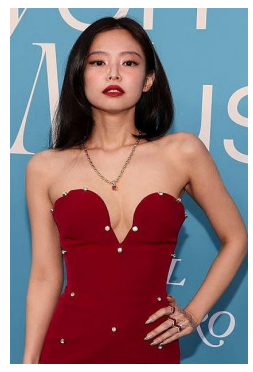

3 मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस वर्ल्ड इकोनॉमिक...

4 पर्यावरण : जान-माल के नुकसान की नेताओं ...

7 अथर्व तायडे ने खत्म किया 5 साल का ...

टीएमसी के मेगा-जंगलराज को खत्म करने के लिए तैयार है बंगाल

सिंगूर में बोले पीएम मोदी- घुसपैठियों को उनके घर भेजना होगा

सिंगूर । प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में कहा कि पश्चिम बंगाल में हर कोई तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के 'महाजंगल राज' को खत्म करना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में कहा कि बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के 'कुशासन' से तंग आ चुके हैं और पार्टी को सत्ता से बेदखल करना चाहते हैं। हमें पश्चिम बंगाल और देश के विकास के लिए वंदे मातरम् को मंत्र बनाना होगा। भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के बाद बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस केंद्र में संप्रग सरकार का हिस्सा रही थी, लेकिन तत्कालीन सरकार ने बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा नहीं दिया। मैं बंगाल की जनता की सेवा करना चाहता हूं, लेकिन तृणमूल सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचने से रोक रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगूर की रैली में पूछा क्या बंगाल की जनता के हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को दंडित नहीं किया जाना चाहिए। आगामी विधानसभा चुनावों में बंगाल की जनता 'क्रूर' तृणमूल सरकार को सबक सिखाएगी। बंगाल के विकास के लिए राज्य को भाजपा के 'डबल इंजन' वाली सरकार की जरूरत है। बंगाल की शिक्षा व्यवस्था तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार की गिरफ्त में है, छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं। भ्रष्टाचार के कारण शिक्षकों की नौकरी न जाए, इसके लिए आपको भाजपा को वोट देना जरूरी है। तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही और घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही, जो उसका 'वोट बैंक' हैं। पीएम मोदी ने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के साथ बंगाल में रह रहे घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें उनके देशों में वापस भेजना होगा।

सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी-अभी भाजपा और एनडीए ने बिहार में जंगलराज को एक बार फिर से रोका है। अब पश्चिम बंगाल भी TMC के महा-जंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। हुगली और वंदे मातरम् का रिश्ता तो और भी विशेष है। कहते हैं कि यहीं पर ऋषि बंकिम जी ने वंदे मातरम् को उसका पूर्ण स्वरूप दिया। जिस प्रकार वंदे मातरम् आजादी का उद्घोष बना था। उसी तरह हमें वंदे मातरम् को पश्चिम बंगाल और भारत को विकसित बनाने का मंत्र भी बनाना है।

महाराष्ट्र राज्यगीत की प्रेरक धुनों से गूंज उठी ज्यूरिख की धरती

महापालिका चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर हर ओर बधाइयों का तांता

ज्यूरिख। विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) में भाग लेने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस का आज स्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख में आगमन हुआ। पाँच दिवसीय इस दौरे की शुरुआत ही मराठी संस्कृति, परंपरा और आत्मीय उत्साह के साथ हुई। पारंपरिक वेशभूषा, पारंपरिक रीति-रिवाजों और मराठमोले अंदाज़ में प्रवासी मराठी समाज ने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्यगीत का भावपूर्ण गायन भी किया गया।

दावोस पहुँचते ही मराठी भाषी नागरिकों ने मुख्यमंत्री श्री फडणवीस का ओवाळणी कर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। स्विट्ज़रलैंड में भारत के राजदूत श्री मृदुल कुमार ने सर्वप्रथम उनका अभिनंदन किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी तथा श्री किंजारापू राम मोहन नायडू ने भी मुख्यमंत्री से भेंट कर महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न महापालिका चुनावों में मिली प्रचंड और ऐतिहासिक जीत के लिए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

यात्रा के दौरान तथा विभिन्न आयोजनों में उनसे मिलने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने महापालिका चुनावों में मिली दणदणीत सफलता पर मुख्यमंत्री को बधाई दी। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र की इस विजय की गूंज स्विट्ज़रलैंड तक सुनाई दी।

'बृहन्महाराष्ट्र मंडल' द्वारा आयोजित कार्यक्रम स्थल पर 'स्वागत देवाभाऊ'

का भव्य फलक विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

'बृहन्महाराष्ट्र मंडल, स्विट्ज़रलैंड' द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 'महा-एनआरआई फोरम' का गठन किया है, जिसके माध्यम से स्वदेश, स्वधर्म और स्वभाषा को वैश्विक मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रगति की बुनियाद सांस्कृतिक वैभव के संरक्षण में होती है और उसी से भौतिक विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मुंबई के विकास के लिए अब और भी ठोस तथा दूरदर्शी योजना पर कार्य किया जा रहा है। आने वाले पाँच वर्षों में मुंबई को विकसित देशों की राजधानियों से भी अधिक आधुनिक और प्रगतिशील बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज विश्व के किसी भी कोने में जाएँ, वहाँ मराठी समाज अपनी मेहनत, विश्वसनीयता और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर आगे बढ़ता दिखाई देता है–यही उसकी सच्ची पहचान है।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय मराठी मंच के समन्वयक श्री अमोल सावरकर ने जानकारी दी कि मराठी मंच द्वारा स्विट्ज़रलैंड के विभिन्न विद्यालयों में मराठी भाषा की कक्षाएँ शुरू करने की पहल की गई है। मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए भाषा और संस्कृति से जुड़ाव का सशक्त माध्यम बताया।

विकसित भारत के लिए स्वदेशी अपनाएं युवा, एनसीसी कैंप में बोले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को दिल्ली छावनी में चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया। यहां एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा से जुट जाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि युवाओं को देशभक्त बनना चाहिए और संविधान के मूल्यों का पालन करना चाहिए।

क्या बोले राज्य मंत्री?

संजय सेठ ने एनसीसी कैडेट्स की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें भारत के गौरवशाली इतिहास और सुनहरे भविष्य के बीच का एक जीवित पुल बताया। उन्होंने कहा कि यह कैंप भारत के युवाओं के अनुशासन, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता की एक बेहतरीन झलक पेश करता है। मंत्री ने कैडेट्स को स्वदेशी मानसिकता के साथ स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्ट-अप इंडिया पहल का जिक्र करते हुए बताया कि पिछले एक दशक में भारतीय स्टार्टअप्स की संख्या 800 से बढ़कर दो लाख से ज्यादा हो गई है, जो युवाओं की मेहनत का परिणाम है।

साइकिल चालकों और पर्वतारोहियों को सराहा

शिविर में पहुंचने पर कैडेट्स ने मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद ग्वालियर के सिंधिया स्कूल के छात्रों ने एक प्रभावशाली बैंड प्रदर्शन किया।

'30 गिरफ्तारियां, सुरक्षा बलों की तैनाती', बेलडांगा में दो दिन बाद सुधरे हालात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में रविवार को शांति रही। हिंसा के बाद रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और हथियारबंद पुलिस ने शहर में रूट मार्च किया। लगातार दो दिनों तक हुई पत्थरबाजी और आगजनी के कारण दुकानें बंद रहीं और सड़कें सुनसान नजर आईं।

क्या बोले अधिकारी?

एसपी कुमार सन्नी राज खुद स्थिति पर नजर रख रहे हैं। पुलिस कर्मियों ने शहर की मुख्य सड़कों और गलियों में गश्त की और आस-पास के गांवों में फैल गए, जहां अजीब सी शांति छाई हुई थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य सड़कों और गलियों में लोगों को इकट्ठा होने या जमा होने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

क्यों भड़की हिंसा?

यह हंगामा शुक्रवार को शुरू हुआ था। झारखंड में एक स्थानीय मजदूर की मौत हो गई थी। परिवार का आरोप है कि बंगाली बोलने के कारण उसकी हत्या हुई। इसके विरोध में भीड़ ने सड़क और रेलवे ट्रैक जाम कर दिए। शनिवार को बिहार में एक और मजदूर पर हमले की खबर के बाद हिंसा फिर भड़क गई। उपद्रवियों ने गाड़ियों में तोड़फोड़ की और पत्रकारों पर भी हमला किया।

मुख्य आरोपी के साथ हुई कई गिरफ्तारियां

पुलिस ने सोशल मीडिया और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से चार लोगों

को विशेष रूप से पत्रकारों पर हमला करने के आरोप में पकड़ा गया है। एसपी ने बताया कि मतिउर रहमान नाम का व्यक्ति मुख्य आरोपी है। वह पिछले दो दिनों से भीड़ को उकसा रहा था। फिलहाल पुलिस अशांति फैलाने वालों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्थिति पर नज़र रख रही है।

पुलिस स्थिति पर रख रही नजर

निलंबित टीएमसी नेता और नवगठित जनता उन्नयन पार्टी के चेयरमैन हुमायूं कबीर ने पुष्टि की है कि रहमान स्थानीय निवासी है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा था या नहीं। फिलहाल पुलिस गांवों और गलियों में गश्त कर रही है, ताकि स्थिति को नियंत्रण में रहे।

यूसुफ पठान पीड़ित परिवार से मिले

इस सबके बीच मुर्शिदाबाद से टीएमसी सांसद यूसुफ पठान ने रविवार को बेलडांगा में मृतक प्रवासी मजदूर अलाउद्दीन शेख के परिवार से मुलाकात की, जिसकी झारखंड में संदिग्ध मौत के बाद इलाके में हिंसा भड़क गई थी। पठान ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा देते हुए बंगाली मजदूरों पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने विपक्ष के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि वह पीड़ितों से नहीं मिलते और बताया कि पार्टी नेतृत्व लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। साथ ही, उन्होंने जानकारी दी कि प्रशासन ने प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर शुरू किए हैं और अभिषेक बनर्जी ने इस मुद्दे पर झारखंड सरकार से जांच की मांग की है।

सीआईसी का अहम फैसला, मुवक्किल के मामलों के लिए आरटीआई के तहत जानकारी नहीं मांग सकते वकील

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने फैसला सुनाया कि वकील अपने मुवक्किलों के मामलों के बारे में जानकारी पाने के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून का इस्तेमाल नहीं कर सकते। आयोग ने कहा कि इस तरह से पारदर्शिता कानून का इस्तेमाल करने से इसके उसके मुख्य मकसद पूरे नहीं होते।

मुवक्किल की ओर से आरटीआई मांगने पर आपत्ति

हरियाणा के एक जवाहर नवोदय विद्यालय में फल-सब्जी आपूर्ति करार समाप्त होने से जुड़े विवाद में दायर दूसरी अपील को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने खारिज कर दिया। सूचना आयुक्त सुधा रानी रेलंगी ने कहा कि अपीलकर्ता वकील ने अपने भाई जो संबंधित सार्वजनिक प्राधिकरण को फल-सब्जी की आपूर्ति करता था। आयोग ने कहा किया कि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि आपूर्तिकर्ता स्वयं आरटीआई आवेदन क्यों नहीं कर सकता, जिससे यह प्रतीत होता है कि वकील ने अपने मुवक्किल की ओर से जानकारी मांगी, जो आरटीआई अधिनियम के तहत स्वीकार्य नहीं है।

आरटीआई का दुरुपयोग नहीं हो सकता

मद्रास हाईकोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए सीआईसी ने इस बात

पर जोर दिया कि एक वकील अपने मुवक्किल की ओर से दायर किए गए मामलों से संबंधित जानकारी नहीं मांग सकता। हाईकोर्ट ने चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हर प्रैक्टिस करने वाला वकील अपने मुवक्किल की तरफ से जानकारी पाने के लिए आरटीआई कानून के प्रावधानों का इस्तेमाल करेगा, जो आरटीआई कानून की योजना के मकसद को पूरा नहीं करता।

आयोग ने फैसले का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि आरटीआई कानून के सराहनीय उद्देश्यों का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए नहीं किया जा सकता और यह वकील के हाथ में ऐसा हथियार नहीं बनना चाहिए जिसका इस्तेमाल वह अपनी प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए हर तरह की जानकारी हासिल करने के लिए करे। सार्वजनिक प्राधिकरण के इस दावे पर ध्यान देते हुए कि आग में कई रिकॉर्ड नष्ट हो गए थे और निजी जानकारी को छूट के तहत सही तरीके से देने से मना किया गया था, आयोग ने कहा कि उसे सीपीआईओ के दिए गए जवाब में कोई कमी नहीं मिली। इसलिए अपील का निपटारा कर दिया गया और लिखित प्रविष्टियों की प्रति अपीलकर्ता के साथ शेयर करने का निर्देश दिया गया।

राजनाथ सिंह ने गोला-बारूद संयंत्र का किया उद्घाटन, कहा- निजी क्षेत्र में दिखता है नया संकल्प

नई दिल्ली। देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महाराष्ट्र के नागपुर में सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित मीडियम कैलिबर एम्युनिशन फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जब वह ऐसे निजी क्षेत्र के रक्षा संयंत्र देखते हैं, तो उन्हें सिर्फ एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि नया संकल्प, नई ऊर्जा और नवाचार दिखाई देता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था, जब रक्षा उत्पादन लगभग पूरी तरह सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित था। निजी कंपनियों की भागीदारी बहुत कम थी। लेकिन बीते वर्षों में इस सोच को बदला गया। आज निजी क्षेत्र रक्षा उत्पादन में बड़ी भूमिका निभा रहा है और देश को आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान दे रहा है।

मीडियम कैलिबर एम्युनिशन फैसिलिटी की खासियत

नागपुर में बनी यह अत्याधुनिक फैसिलिटी सौर उद्योग द्वारा तैयार की गई है। यहां आधुनिक तकनीक से मीडियम कैलिबर गोला-बारूद का निर्माण किया जाएगा। इससे भारतीय सशस्त्र बलों को समय पर और उच्च गुणवत्ता वाला एम्युनिशन उपलब्ध होगा और आयात पर निर्भरता कम होगी।

नागपुर दौरे में और क्या शामिल रहा?

रक्षा मंत्री ने अपने नागपुर दौरे के दौरान इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड का भी दौरा किया। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी से न सिर्फ उत्पादन बढ़ रहा है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। इससे भारत वैश्विक रक्षा बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर और आधुनिक युद्ध की बात

जयपुर में 78वें सेना दिवस पर शौर्य संध्या कार्यक्रम के दौरान राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ यह अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि जब तक आतंकवाद एक विचारधारा के रूप में खत्म नहीं हो जाता, तब तक यह मिशन जारी रहेगा।

बदलता युद्ध, बदलती रणनीति

रक्षा मंत्री ने कहा कि आज युद्ध सिर्फ बंदूक और गोलियों तक सीमित नहीं रह गया है। साइबर स्पेस, ड्रोन, मोबाइल फोन, अंतरिक्ष और मीडिया भी युद्ध का हिस्सा बन चुके हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने बदलते हालात के अनुसार खुद को तेजी से अपग्रेड किया है, जो देश के लिए गर्व की बात है।

पहलगाम हमले के बाद जवाबी कार्रवाई

राजनाथ सिंह ने बताया कि 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने सात मई को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई देश के सशस्त्र बलों पर जनता के भरोसे का प्रमाण है।

रहमान की चिंताओं पर जावेद अख्तर की टिप्पणी मुस्लिमों की वास्तविकता से मेल नहीं खाती : महबूबा मुफ्ती

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर बॉलीवुड के कथित सांप्रदायिकरण को लेकर संगीतकार ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करके भारतीय मुसलमानों की वास्तविकताओं का खंडन कर रहे हैं।

मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जब जावेद अख्तर बॉलीवुड में बढ़ते सांप्रदायिकरण को लेकर ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करते हैं, तो वह भारतीय मुसलमानों के वास्तविक अनुभवों का खंडन करते हैं, जिसमें उनकी पत्नी शबाना आज़मी के अनुभव भी शामिल हैं, जिन्होंने खुले तौर पर यह कहा है कि उन्हें बंबई जैसे महानगर में सिर्फ़ मुसलमान होने की वजह से मकान किराए पर देने से इनकार कर दिया गया था।''

मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, अख्तर ने कहा कि रहमान को बॉलीवुड में काम के कम अवसर मिलने में कोई सांप्रदायिक तत्व शामिल नहीं है। जम्मू

कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''बॉलीवुड हमेशा से देश की सामाजिक सच्चाइयों को प्रतिबिंबित करता हुआ एक जीवंत 'मिनी-इंडिया' रहा है। ऐसे अनुभवों को नजरअंदाज कर देने से आज के भारत की सच्चाई नहीं बदल जाती।

'मणिपुर में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर केंद्र की लापरवाही', कांग्रेस ने भाजपा सरकार को लिया आड़े हाथ

इंफाल। मणिपुर और तनाव के बीच कांग्रेस ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर जोरदार हमला किया है। पार्टी ने रविवार को कहा कि भाजपा नेतृत्व वाले केंद्र ने मणिपुर को पिछले पांच साल में लापरवाही से संभाला है, जिससे राज्य की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा। यह आरोप मणिपुर मामलों के कांग्रेस प्रभारी क्रिस्टोफर तिलक ने लगाया। तिलक मणिपुर में चल रहे जातीय हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और पार्टी के 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान में हिस्सा लेने पहुंचे थे।

इस दौरान तिलक ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान तिलक ने कहा कि मणिपुर में जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले पांच वर्षों में केंद्र ने राज्य को जिम्मेदारी से नहीं संभाला। अर्थव्यवस्था बुरी स्थिति में है और अब सुरक्षा, खासकर सीमा सुरक्षा, भी चिंता का विषय है।

मणिपुर में हिंसा और संघर्ष

बता दें कि मणिपुर में मई 2023 से घाटी के मैतेई और पहाड़ी क्षेत्रों के कुकी समुदाय के बीच हुए झगड़ों में कम से कम 260 लोग मारे गए और हजारों

लोग बेघर हो गए। म्यांमार से लगे इस राज्य में फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू है, जब मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था। बिरेन सिंह ने 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद संभाला था।

मणिपुर के प्रति केंद्र गंभीर नहीं- तिलक

तिलक ने आरोप लगाया कि केंद्र मणिपुर के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके पिछले दौरे के दौरान, राष्ट्रपति शासन के बावजूद कुछ भूमिगत समूहों ने बंध भी किया। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने बताया कि उनके मणिपुर दौरे के दौरान वे पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों दोनों में जाएंगे और पार्टी के 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

तिलक ने अंत में कहा कि हम मनरेगा का नाम बदलने और योजना में अन्य संरचनात्मक बदलावों का विरोध कर रहे हैं। मैं इसे मणिपुर की सभी विधानसभा सीटों तक लेकर जाऊंगा। उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार ने 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लाकर गरीबों और खासकर महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास किया था।

अरविंद केजरीवाल के कार्यक्रम की अनुमति रद्द, आप का गुजरात की भाजपा सरकार पर लोकतंत्र पर हमला का आरोप

अहमदाबाद। गुजरात में आम आदमी पार्टी और भाजपा सरकार के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी ने गुजरात की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अरविंद केजरीवाल के कार्यकर्ता सम्मेलन की अनुमति जानबूझकर रद्द करवाई गई।

आम आदमी पार्टी गुजरात के विधायक गोपाल इटालिया ने कहा कि आज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित होना था। इसके लिए पार्टी ने पहले से एक निजी स्थल किराए पर लिया था और सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं।

'डर और दबाव की राजनीति' का आरोप

गोपाल इटालिया के मुताबिक कल रात से भाजपा ने तानाशाही और गुंडागर्दी शुरू कर दी। कार्यक्रम स्थल के मालिक को डराया गया और दबाव बनाकर कार्यक्रम रुकवा दिया गया। विधायक का आरोप है कि पार्टी के बढ़ते जनाधार से भाजपा घबरा गई है और इसी डर के चलते लोकतांत्रिक कार्यक्रमों को रोका

जा रहा है। विधायक गोपाल इटालिया ने कहा कि इससे पहले भी पार्टी के नेताओं को जेल में डाला गया, लेकिन पार्टी नहीं रुकी। अब फिर वही काम किया जा रहा है, लेकिन आम आदमी पार्टी न रुकने वाली है और न झुकने वाली। उन्होंने इसे सीधे-सीधे लोकतंत्र पर हमला करार दिया है।

नवनीत राणा के कारण हारे...22 बीजेपी उम्मीदवारों ने सीएम फडणवीस को लिखा पत्र

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

चुनाव के बाद नाटकीय घटनाक्रम में अमरावती नगर निगम (एएमसी) चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 22 उम्मीदवारों ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूर्व सांसद नवनीत राणा को पद से हटाने का आग्रह किया है। उम्मीदवारों का आरोप है कि नवनीत राणा ने पार्टी के उम्मीदवारों के खिलाफ प्रचार करके पार्टी को कमजोर किया है। 15 जनवरी को हुए चुनावों में भाजपा की सीटों में भारी गिरावट आई, जिससे टूटे हुए गठबंधन के बीच विश्वासघात के आरोप और भी बढ़ गए हैं।

चुनाव में करारी हार87 सदस्यीय एएमसी में भाजपा को पिछली बार की 45 सीटों के मुकाबले मात्र 25 सीटें मिलीं, जबकि रवि राणा की युवा स्वाभिमान पार्टी (वाईएसपी) को 3 के मुकाबले 15 सीटें मिलीं। अन्य दलों को कांग्रेस (15), एआईएमआईएम (12), एनसीपी (11), शिवसेना (3), बसपा (3), शिवसेना (यूबीटी) (2), वंचित बहुजन अघाड़ी (1) की सीटें मिलीं।

चुनाव से पहले, भाजपा और वाईएसपी (विधायक रवि राणा, नवनीत के पति के नेतृत्व में) ने संबंध तोड़ लिए थे, फिर भी भाजपा के एक स्थानीय नेता ने जोर देकर कहा कि नवनीत भगवा उम्मीदवारों का समर्थन करेंगी। इसके विपरीत, उन्होंने कथित तौर पर भाजपा उम्मीदवारों को 'बेवकूफ' करार दिया और वाईएसपी को 'असली भाजपा' के रूप में पेश किया।

उम्मीदवारों का आक्रोश

22 शिकायतकर्ताओं में से 20 हारे और 2 जीते, लेकिन सभी नवनीत के हस्तक्षेप की ओर इशारा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा, हम समर्पित, मेहनती पार्टी कार्यकर्ता हैं जो समाज से जुड़े हुए हैं। हमारी हार विपक्ष की वजह से नहीं, बल्कि वरिष्ठ भाजपा नेता नवनीत राणा के खुलेआम हमारे खिलाफ प्रचार करने की वजह से हुई है। उन्होंने चेतावनी दी है कि नवनीत राणा को पार्टी में बनाए रखने से अमरावती में भाजपा की पकड़ कमजोर हो सकती है और उन्हें तत्काल निष्कासित करने की मांग की है।

तनाव बढ़ने के साथ राणा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं

नवनीत राणा की प्रतिक्रिया अभी तक नहीं आई है, जिससे विवाद अधर में लटका हुआ है। यह दरार गठबंधन टूटने के बाद महाराष्ट्र भाजपा, विशेषकर विदर्भ में, गहरी होती दरारों को उजागर करती है।

'जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा'-आरएसएस चीफ मोहन भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के पास जो आध्यात्मिक ज्ञान है, वह दुनिया में कहीं और उपलब्ध नहीं है, क्योंकि अन्य जगहों पर आध्यात्मिकता की कमी है।

क्या बोले आरएसएस सरसंघचालक?

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है और सृष्टि का हर काम इसी सिद्धांत पर चलता है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों, संतों और ऋषियों से एक समृद्ध आध्यात्मिक विरासत मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए संघ प्रमुख ने कहा, 'चाहे वह नरेंद्र भाई हों, मैं हूं, आप हों या कोई और, हम सभी को चलाने वाली एक ही शक्ति है। अगर गाड़ी उस शक्ति से चलाई जाती है, तो कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी। वह चालक धर्म ही है।'

धर्म ही असली है चालक

उन्होंने आगे कहा, धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को नियंत्रित करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।भागवत ने कहा धर्म सिर्फ धर्म तक सीमित नहीं है। प्रकृति में हर चीज का अपना अंतर्निहित कर्तव्य और अनुशासन होता है। उन्होंने कहा, 'पानी का धर्म बहना है, आग का धर्म जलना है। इसी तरह बेटे का कर्तव्य है, शासक का कर्तव्य है और आचरण के नियम हैं। हमारे पूर्वजों ने गहन आध्यात्मिक शोध और प्रयासों से इन कानूनों को समझा था।'

'राज्य धर्मनिरपेक्ष हो सकता है, व्यक्ति नहीं'

उन्होंने यह भी राय व्यक्त की कि एक राज्य या व्यवस्था धर्मनिरपेक्ष हो सकती है, लेकिन कोई भी इंसान या रचना धर्म के बिना अस्तित्व में नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि भारत के सामान्य जनमानस में धर्म गहरा समाया हुआ है। 'झोपड़ी में रहने वाला व्यक्ति शायद भाषण न दे पाए, लेकिन धर्म उसकी रगों में बहता है।'

वार्ड क्रमांक 38 में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की ऐतिहासिक जीत

सुरेखा परब ने 11,226 मतों के प्रचंड अंतर से दर्ज की विजय

दिव्यांश

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में वार्ड क्रमांक 38 से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की उम्मीदवार श्रीमती सुरेखा परब ने 11,226 मतों के भारी अंतर से शानदार जीत दर्ज कर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। यह जीत न केवल मनसे के लिए बल्कि स्थानीय राजनीति में बदलाव की स्पष्ट तस्वीर भी पेश करती है।

वार्ड 38 में मतदाताओं ने जाति, प्रलोभन और खोखले वादों को नकारते हुए स्थानीय मुद्दों, स्वच्छ छवि और जमीनी नेतृत्व को प्राथमिकता दी। सुरेखा परब की यह जीत बताती है कि जब उम्मीदवार जनता से सीधा संवाद करता है और क्षेत्र की समस्याओं को समझता है, तो जनता भी पूरे भरोसे के साथ समर्थन देती है।

चुनाव प्रचार के दौरान सुरेखा परब ने साफ़-सुथरा प्रशासन, बुनियादी सुविधाओं में सुधार, महिला सुरक्षा, जलनिकासी, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। यही कारण रहा कि वार्ड की जनता ने

उन्हें रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाकर नगरसेवक के रूप में सेवा का अवसर दिया।

यह जीत महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के लिए भी विशेष महत्व रखती है। लंबे समय से मुंबई की राजनीति में अपनी मज़बूत पकड़ बनाने की कोशिश कर रही मनसे को इस प्रचंड विजय से नया संबल मिला है। यह परिणाम संकेत देता है कि मुंबईकर अब परिणाम देने वाली राजनीति को महत्व दे रहे हैं।

विजय के बाद अपने संक्षिप्त वक्तव्य में श्रीमती सुरेखा परब ने कहा,

'यह जीत मेरी नहीं, वार्ड 38 की जनता की जीत है। मैं उनके विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगी और वार्ड को विकास का आदर्श मॉडल बनाऊंगी।'

कुल मिलाकर, वार्ड क्रमांक 38 का यह चुनाव परिणाम मुंबई की नगर राजनीति में जनता की बदली सोच और नए नेतृत्व के उभार का स्पष्ट संकेत है। सुरेखा परब की यह ऐतिहासिक जीत आने वाले समय में मनसे के लिए नई राजनीतिक दिशा तय कर सकती है।

'शिंदे शिवसेना के कई कॉर्पोरेटर मुंबई में भाजपा का मेयर नहीं चाहते', संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई। मुंबई में बीएमसी चुनाव नतीजों के बाद मेयर पद को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया है कि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कई नवनिर्वाचित नगरसेवक मुंबई में भाजपा का मेयर नहीं चाहते। राउत के इस बयान से सत्तारूढ़ गठबंधन में अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है।

बीएमसी चुनावों में भाजपा और शिंदे गुट की शिवसेना ने मिलकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। भाजपा को 89 सीटें और शिंदे गुट की शिवसेना को 29 सीटें मिली हैं। बहुमत होने के बावजूद मेयर पद पर सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने 29 नगरसेवकों को मुंबई के एक लग्जरी होटल में ठहराया है, जिससे 'होटल पॉलिटिक्स' की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

भाजपा मेयर नहीं चाहते नगरसेवक-राउत

संजय राउत ने कहा कि शिंदे गुट के कई नगरसेवक मूल रूप से बाल ठाकरे की स्थापित शिवसेना से जुड़े रहे हैं। उनका दावा है कि इन नगरसेवकों की इच्छा है कि मुंबई में भाजपा का मेयर न बने। राउत ने यह भी आरोप लगाया कि होटल में रखे जाने के बावजूद संवाद के कई रास्ते खुले रहते हैं और संदेश भेजे व पाए जा सकते हैं।

शिंदे गुट की सफाई क्या है?

शिंदे गुट की नेता शीतल मात्रे ने आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि नगरसेवकों को होटल में तीन दिन के प्रशिक्षण शिविर के लिए रखा गया है, ताकि उन्हें बीएमसी के कामकाज की जानकारी दी जा सके। उनका कहना है कि 29 में से 20 नगरसेवक पहली बार चुने गए हैं, इसलिए प्रशिक्षण जरूरी है। उन्होंने साफ किया कि किसी तरह की सौदेबाजी या दबाव की राजनीति नहीं हो रही है।

यूबीटी और एमएनएस की हलचल

इस बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने संकेत दिए हैं कि अगर 'देव' की इच्छा हुई तो उनकी पार्टी का भी मेयर बन सकता है। राउत ने यह भी बताया कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच मेयर पद को लेकर बातचीत हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इन घटनाक्रमों को तटस्थ नजर से देख रही है।

संख्या बल के बावजूद अनिश्चितता

227 सदस्यीय बीएमसी में बहुमत के बावजूद मेयर पद पर तस्वीर साफ नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें और एमएनएस को 6 सीटें मिली हैं। ऐसे में गठबंधन के भीतर असहमति और विपक्ष की रणनीति, दोनों ही आने वाले दिनों में मुंबई की राजनीति को और गर्म कर सकती हैं।

कपिल सिब्बल ने भाजपा की रणनीति पर उठाए सवाल

'सत्ता के लिए गठबंधन, फिर सहयोगियों को कमजोर...

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्यसभा के सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को भाजपा के चुनावी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा उन राज्यों में, जहां वह सत्ता में नहीं है या बहुमत में नहीं है, वहां अपनी राजनीति के तहत दूसरे राजनीतिक दलों से गठबंधन करती है, सत्ता में आती है और फिर उन गठबंधन सहयोगियों को कमजोर कर देती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में सिब्बल ने भाजपा की राजनीति और रणनीति पर सवाल उठाए।

उनका कहना था कि जिन राज्यों में वे सत्ता में नहीं होते या बहुमत में नहीं होते, वहां अन्य दलों से गठबंधन कर सत्ता में आते हैं और फिर उन्हें हाशिए पर डाल देते हैं। सिब्बल ने यह भी कहा कि यह रणनीति बिहार में सफल रही थी और अब महाराष्ट्र में भी इसका पालन किया जा रहा है।

भाजपा की रणनीति पर लगाए आरोप

कपिल सिब्बल का आरोप है कि भाजपा

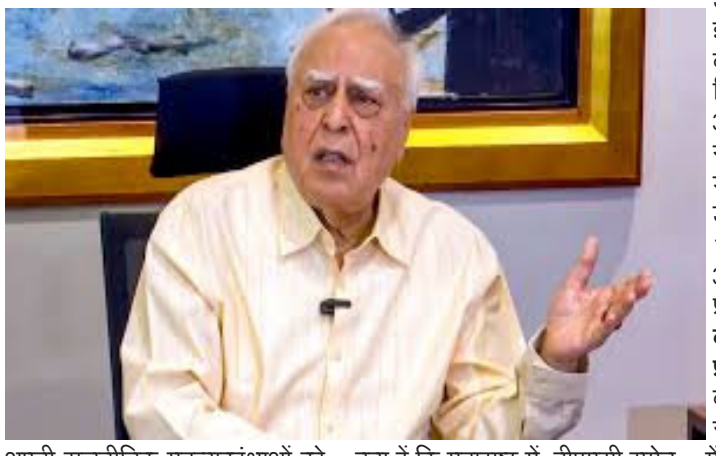

अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने गठबंधन सहयोगियों को कमजोर कर देती है। इसका उदाहरण बिहार और अब महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां भाजपा ने गठबंधन के बाद धीरे-धीरे अपने सहयोगियों को हाशिये पर डाल दिया।

महाराष्ट्र में भाजपा की शानदार जीत

बता दें कि महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 निगमों पर 15 जनवरी को मतदान हुए, जिसमें भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में भाजपा ने 227 सीटों में से 89 सीटें जीतकर उद्धव ठाकरे के परिवार की तीन दशकों पुरानी सत्ता को चुनौती दी। वहीं, शिवसेना के सहयोगी दल, शिवसेना (शिंदे गुट) ने 29 सीटें जीतीं।

इसके अलावा, उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें मिलीं। इतना ही नहीं महाराष्ट्र के अन्य नगर निगमों में भी भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया। नवी मुंबई में भाजपा ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की, वहीं पुणे में उसे 119 सीटें मिलीं, नागपुर में 102, और ठाणे में भी भाजपा ने बहुमत प्राप्त किया।

कांग्रेस और अन्य पार्टियों का प्रदर्शन

कांग्रेस पार्टी ने चुनावी दौड़ में थोड़ी सुस्ती दिखाई, लेकिन फिर भी कुछ क्षेत्रों में अपनी पकड़ बनायी। पार्टी ने भिवंडी में 30 सीटें, चंद्रपुर में 27 सीटें और लातूर में 43 सीटें जीतीं। इसी तरह, एनसीपी (अजीत पवार गुट) ने पुणे में 27 सीटें जीतीं, जबकि अन्य छोटे दलों ने भी कुछ सीटों पर विजय प्राप्त की।

अनुभवी जननेता कै. राज पुरोहित के निधन से सार्वजनिक जीवन को अपूरणीय क्षति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। कै. राज पुरोहित के निधन से एक अनुभवी, अध्ययनशील और जनसेवा को समर्पित नेतृत्व का असामयिक अंत हो गया है। उनके साथ मेरा लगभग 45 वर्षों का सार्वजनिक जीवन का सहयात्रा रही, जो उनके निधन के साथ समाप्त हुई, किंतु उनका कार्य, विचार और स्मृतियाँ सदैव प्रेरणा देती रहेंगी।

कै. राज पुरोहित मुंबई भाजपा के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1999 में मैं स्वयं, कै. राज पुरोहित और मंगलप्रभात लोढ़ा–हम तीनों दक्षिण मुंबई से विधायक निर्वाचित हुए थे। उसी समय स्व. जयवंतीबेन मेहता सांसद के रूप में चुनी गई थीं।

धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में भी हमने साथ मिलकर कार्य किया। रामलीला सेवा समिति और ब्रिज मंडल कृष्णलीला जैसी संस्थाओं के माध्यम से समाजसेवा को नई दिशा दी। कै. राज पुरोहित की भाड़ेकरू संघटना के माध्यम से पगड़ी इमारतों से जुड़े अनेक जटिल मुद्दों का समाधान हुआ।

गृहनिर्माण मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में म्हाडा में 33/7 का महत्वपूर्ण प्रावधान लागू किया गया, जिससे मुंबई की पुरानी इमारतों के पुनर्विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ और लाखों मुंबईकरों को राहत मिली। यह उनका दूरदर्शी और ऐतिहासिक योगदान रहा है।

1980 के अधिवेशन से शुरू हुआ हमारा सहप्रवास, देश-विदेश की यात्राओं तक फैला रहा। उनके निधन से मैंने एक जिव्हाळ्याचा सहकारी खोया है और मुंबई ने एक प्रभावी, संवेदनशील लोकप्रतिनिधि को।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।

– अतुल शाह
माजी आमदार, नगरसेवक एवं प्रवक्ता, महाराष्ट्र भाजपा

सालाना डिसआर्मामेंट और इंटरनेशनल सिक्योरिटी अफेयर्स फेलो के लिए कल्चरल प्रोग्राम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

6वें सालाना डिसआर्मामेंट और इंटरनेशनल सिक्योरिटी अफेयर्स फेलोशिप प्रोग्राम के तहत मुंबई आए 40 अलग-अलग देशों के रिप्रेजेंटेटिव को सह्याद्री गेस्ट हाउस में महाराष्ट्र के कल्चर की झलक देखने को मिली।

राज्य के कल्चरल अफेयर्स डिपार्टमेंट द्वारा ऑर्गनाइज़ किए गए प्रोग्राम में रिप्रेजेंटेटिव को कल्चरल प्रोग्राम देखने को मिला। इस मौके पर चीफ प्रोटोकॉल ऑफिसर राजेश गावंडे मौजूद थे।

चीफ प्रोटोकॉल ऑफिसर श्री गावंडे ने 40 अलग-अलग देशों से आए फेलो का स्वागत किया और भारत के अलग-अलग कल्चर की अहमियत बताई। उन्होंने दुनिया और भारत में मुंबई की अहमियत बताई और महाराष्ट्र के कल्चर के बारे में जानकारी दी।

इस मौके पर लावणी, पंढरपुर वारी, कल्चरल प्रोग्राम और छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर एक लिरिकल ड्रामा पेश किया गया।

टाटा मुंबई मैराथन 2026 में मुंबई के साथ दौड़ी पश्चिम रेलवे

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में : 150 सदस्यीय पश्चिम रेलवे टीम ने फिटनेस, रेल सेफ्टी एवं नागरिक कर्तव्यों का दिया संदेश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे ने आज मुंबई में आयोजित टाटा मुंबई मैराथन 2026 में सहभागिता कर उत्साहपूर्ण एवं उद्देश्यपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई तथा फिटनेस, अनुशासन और सुरक्षा जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से युक्त 150 सदस्यीय टीम ने 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के सम्मान एवं उत्सव के रूप में इस मैराथन में भाग लिया। यह सहभागिता राष्ट्रीय गौरव, सामूहिक अनुशासन तथा दैनिक जीवन में स्वस्थ जीवनशैली के महत्व का प्रतीक रही।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे की टीम का नेतृत्व किया। इस दौरान कई वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने भी मैराथन में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे फिटनेस, संरक्षा तथा जनसंपर्क के प्रति नेतृत्व की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुई। इस टीम में स्टेशन मास्टर, टिकट जांच कर्मचारी, ट्रेन प्रबंधक, कोचिंग डिपो कर्मचारी तथा ट्रैकमैन जैसी प्रमुख फ्रंटलाइन एवं परिचालन श्रेणियों के कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने आधिकारिक यूनिफॉर्म में भाग लेकर आम जनता को सशक्त सामाजिक एवं सुरक्षा संदेश दिया। टीम ने रचनात्मक ब्रांडिंग एवं जनसंपर्क सामग्री के माध्यम से प्रभावशाली जागरूकता संदेश प्रदर्शित किए, जिनमें 'रेल सुरक्षा के लिए दौड़', 'पटरियों का सम्मान करें', 'पटरी से दूर रहें - सुरक्षित रहें' जैसे नारे प्रमुख रूप से शामिल थे। इसके साथ ही 'मुंबई की लाइफलाइन', 'पश्चिम रेलवे परवाह करता है' तथा 'मुंबई दौड़ती है क्योंकि हम दौड़ते हैं' जैसे पश्चिम रेलवे के ब्रांड संदेश भी प्रदर्शित किए गए।

इस सहभागिता की एक विशिष्ट विशेषता यह रही कि टीम के 50 सदस्यों ने अपनी आधिकारिक युनिफार्म वर्दी में दौड़ लगाई, जिससे यह सशक्त संदेश गया कि शारीरिक फिटनेस व्यावसायिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत कल्याण का अभिन्न अंग है। यह प्रतीकात्मक सहभागिता माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित फिट इंडिया मूवमेंट की भावना के अनुरूप रही तथा इस संदेश को और अधिक सुदृढ़ किया कि शारीरिक तंदुरुस्ती को सभी व्यवसायों और आयु वर्गों में दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

पश्चिम रेलवे की यह सहभागिता केवल एक दौड़ तक सीमित न होकर कहीं अधिक व्यापक महत्व की रही। इससे संगठन की इस सोच को बल मिला कि शारीरिक फिटनेस जीवन की परिस्थितियों या पेशे से परे हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है तथा एक स्वस्थ कार्यबल ही सुरक्षित, अधिक दक्ष और विश्वसनीय सार्वजनिक सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अनुशासित एवं वर्दीधारी टीम की सशक्त उपस्थिति ने जनसंपर्क को भी सुदृढ़ किया तथा सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार के महत्व को और अधिक प्रभावी ढंग से रेखांकित किया।

मैराथन के इस मंच का उपयोग पश्चिम रेलवे की ब्रांडिंग एवं सुरक्षा जागरूकता को और अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए भी किया गया। इसके अंतर्गत बैनर, प्लाकार्ड, हैंड पोस्टर, इत्यादि पर आधारित दृश्य तत्वों के माध्यम से संदेश प्रसारित किए गए। इसके साथ ही सुव्यवस्थित सोशल मीडिया प्रचार का सहारा लेकर इस अभियान की पहुंच को आयोजन स्थल से आगे बढ़ाकर व्यापक जनसमुदाय तक विस्तार दिया गया।

पश्चिम रेलवे इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करती है, जिन्होंने गर्व और उद्देश्यपूर्ण भावना के साथ संगठन का प्रतिनिधित्व किया। पश्चिम रेलवे रेल सेफ्टी, जन-जागरूकता, फिटनेस तथा राष्ट्र निर्माण के मूल्यों को बढ़ावा देने हेतु निरंतर एवं सार्थक जनसंपर्क पहलों के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराती है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE IS HEREBY GIVEN TO ALL CONCERNED that my client MRS.SHAHNAAZ KAZERANI having office at 296,perin Nariman Street, 3rd floor, opp-RBI ICICI bank building , Fort, Mumbai- 400 001.

late Mr. Abdul Kader Fathehi requested to continue occupying the cabin on a rental basis which was fix amount of Rs. 625/-per month. Out of compassion and mutual agreement,she is formally asserted her rights as the absolute owner/landlord of the office premises located at **No. 296, Perin Nariman Street, 3rd Floor, Opposite RBI/ICICI Bank Building, Fort, Mumbai - 400 001**This pertains specifically to the portion identified as **Cabin No. [entire third floor]**, MRS.SHAHNAAZ KAZERANI has issued a **Notice to Vacate** to the current occupants of the said cabin. and to demand the handover of vacant, peaceful, and physical possession of the said premises.

Furthermore that dues rent from March 2024 to December, 2025 along with Maintenance from July 2024 to till December, 2025, and Light Bill in respect of the premises. you have paid the rent in respect of the said Cabin regularly till the year of March,2024,suddenly Mr. Abdul kader fathehi died and have stopped paying rent thereafter on one pretext or the other. you have not paid rent to my client's predecessors since March, 2024 onwards. the arrears of rent for a period of more than 1years and the total amount of arrears till today is Rs.50000/- which is inclusive of permitted increases and the assessment tax.you have failed and neglected to pay the rent for a period of more than 2 years.

further call upon to handover the peaceful vacant possession of **296,perin Nariman Street, 3rd floor, opp-RBI ICICI bank building , Fort, Mumbai- 400 001,** within 7 days You are hereby further called upon to fix up time and date within 7 days from the receipt hereof when my client come to the premises.

SCHEDULE OF THE PROPERTY

the cabin (measuring approximately 260 sq. ft.) at **No. 296, Perin Nariman Street, 3rd Floor, Opposite RBI/ICICI Bank Building, Fort, Mumbai - 400 00**

Adv.Soni Tiwari
Add:Search legal, Moxa Building, B/14, Mira Raod

Date:19/01/2026

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 में शामिल होने के लिए दावोस रवाना

'मैग्नेटिक महाराष्ट्र' ग्लोबल मंच पर भारत की विकास गाथा को और आगे बढ़ाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में यात्रा को और तेज़ करने के लिए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 में हिस्सा लेने के लिए स्विट्ज़रलैंड के दावोस के लिए रवाना हो गए हैं। इस प्रतिष्ठित ग्लोबल समिट के लिए उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मुख्यमंत्री के साथ हैं।

ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत के मुख्य विकास इंजन के रूप में 'मैग्नेटिक महाराष्ट्र' को और मज़बूत करने के पक्के इरादे के साथ, दुनिया इस नई 'महा-विकास' कहानी को उत्सुकता से देख रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि WEF 2026 महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले साल, महाराष्ट्र ने 16 लाख करोड़ के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे, और राज्य सरकार ने इस साल के लिए और भी बड़ा निवेश लक्ष्य तय किया है।

दावोस समिट के दौरान, महाराष्ट्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, औद्योगिक परियोजनाओं, रोज़गार सृजन और समग्र आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल उद्योगपतियों, निवेशकों और नीति निर्माताओं के साथ केंद्रित चर्चाएँ की जाएंगी।

नई मुंबई म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे की मुंबई मैराथन में शानदार कामयाबी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यह जानते हुए कि दौड़ना सबसे अच्छी एक्सरसाइज़ है, नवी मुंबई म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे, जिन्होंने दौड़ने के अपने शौक को जुनून बनाया और अपने बहुत बिज़ी शेड्यूल के बावजूद रेगुलर सुबह जल्दी दौड़ने की प्रैक्टिस करते हैं, ने आज मुंबई में हुई बहुत मशहूर टाटा मुंबई मैराथन में ग्यारहवीं बार हिस्सा लिया और 42 किलोमीटर की दूरी 4 घंटे 39 मिनट 23 सेकंड में पूरी की। कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे को इस मुंबई मैराथन में उनके शानदार परफ़ॉर्मेंस के लिए हर लेवल से बधाई मिल रही है, जिसमें इंटरनेशनल लेवल के रनर शामिल हुए थे।

पिछले साल, कमिश्नर ने साउथ अफ्रीका में हुई दुनिया भर में मशहूर कॉमरेड मैराथन में हिस्सा लिया था और 86.6 किलोमीटर की दूरी 11 घंटे 10 मिनट 56 सेकंड में पूरी की थी। वह इस ग्लोबल मैराथन में हिस्सा लेने वाले अकेले चार्टर्ड ऑफिसर हैं। इसी तरह, उन्होंने पिछले साल टाटा मुंबई मैराथन में हिस्सा लिया था और

शानदार परफ़ॉर्मेंस हासिल की थी। ङहाल ही में हुए नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनाव सही तरीके से हुए और म्युनिसिपल चुनाव के बहुत बिज़ी टाइम में भी कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने सुबह-सुबह दौड़ने की प्रैक्टिस की और टाइम पर ऑफिस पहुँचे, और फिर देर तक ऑफिस का काम किया, लेकिन उन्होंने अपनी प्रैक्टिस में रुकावट नहीं आने दी। उन्होंने यह कामयाबी एक तय गोल की तरफ बढ़ने और उसके लिए बिना थके काम करने की हिम्मत और सही प्लानिंग के दम पर हासिल की है।

21वीं टाटा मुंबई मैराथन, जो मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सुबह 5 बजे शुरू हुई, इस रूट पर ऑर्गनाइज़ की गईः हुतात्मा चौक, चर्चगेट, मरीन ड्राइव, पेडर रोड, हाजी अली, बांद्रा वर्ली सीलिंक, माहिम, प्रभादेवी, हाजी अली और वापस छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस। इस बार, पहली बार मैराथन रूट में कोस्टल रोड भी शामिल था। नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे को इस शानदार कामयाबी के लिए बधाई।

बीएमसी चुनावः 'मुंबईवासियों की उम्मीदें पूरी करना बड़ी जिम्मेदारी'; सीएम उमर ने भाजपा की जीत पर दी प्रतिक्रिया

मुंबई। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब मुंबई के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना पार्टी की बड़ी जिम्मेदारी है।

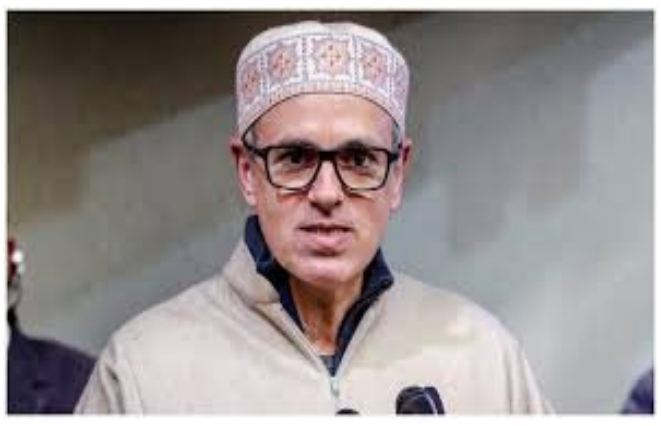

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि लंबे समय बाद बीएमसी चुनाव हुए हैं और हर चुनाव में किसी की जीत होती है तो किसी की हार। उन्होंने कहा कि इस बार सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली भाजपा पर अब यह जिम्मेदारी है कि वह मुंबईवासियों की अपेक्षाओं को पूरा करे। मुख्यमंत्री ने मुंबई में हुए बुनियादी ढांचे के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने खुद कभी मुंबई में तीन साल तक रहकर शहर को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि पहले यह कल्पना करना भी मुश्किल था कि कोस्टल रोड जैसी बड़ी परियोजना बनेगी, लेकिन आज यह हकीकत है। अगर इसी तरह के और विकास कार्य किए जाते हैं तो इसका सीधा फायदा मुंबई के नागरिकों को मिलेगा।

बीएमसी में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी

चुनाव आयोग और बीएमसी के अनुसार भाजपा ने 89 सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा को कुल 11,79,273 वोट यानी 21.58इ वोट शेयर मिला। जीतने वाले उम्मीदवारों में भाजपा का वोट शेयर 45.22इ रहा।

भाजपा बीएमसी की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। भाजपा की सहयोगी शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) ने 29 सीटें जीतीं। भाजपा-शिवसेना (शिंदे) गठबंधन बना बीएमसी का सबसे बड़ा ब्लॉक। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट)-मनसे गठबंधन को कुल 71 सीटें। कांग्रेस ने 24 सीटों पर जीत दर्ज की। एआईएमआईएम को 8 सीटें मिलीं। एनसीपी ने 3 सीटें जीतीं। समाजवादी पार्टी को 2 सीटें। एनसीपी (शरद पवार गुट) को 1 सीट मिली।

मुंबई में क्या चल रहा है? शिंदे की होटल पॉलिटिक्स पर सीएम फडणवीस के बयान ने बढ़ाई हलचल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई में बीएमसी चुनाव में महायुति की जीत के बाद जब लग रहा था कि जल्द ही बीएमसी के नए मेयर के नाम का एलान हो जाएगा, तो वहां एक नई राजनीति शुरू हो गई है। दरअसल डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने अपने सभी 29 पार्षदों को होटल में ठहराया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एकनाथ शिंदे ने मुंबई मेयर पद पर भाजपा को ढाई-ढाई साल का फार्मूला सुझाया है। इसके बाद मुंबई की राजनीति में गहमागहमी शुरू हो गई है। अब इसे लेकर सीएम फडणवीस का बयान सामने आया है। सीएम ने कहा है कि मुंबई में आपसी सहमति से महायुति का मेयर बनेगा।

सीएम फडणवीस ने कही ये बातें

सीएम फडणवीस ने एकनाथ शिंदे द्वारा अपने पार्षदों को होटल में ठहराने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, 'जैसे मैं पुणे में अपने नवनिर्वाचित पार्षदों के

साथ बैठक कर रहा हूं, वैसे ही एकनाथ शिंदे ने भी मुंबई में बैठक बुलाई है। इसमें पार्षदों की खरीद-फरोख्त का कोई सवाल ही नहीं है।'

थोड़ा सा बदलाव भी बिगाड़ सकता है सत्ता समीकरण

बीएमसी चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसने 89 सीटों पर जीत दर्ज की है। हालांकि भाजपा अकेले दम पर मेयर बनाने की स्थिति में नहीं और उसे बहुमत के आंकड़े को छूने के लिए शिवसेना की जरूरत है। शिवसेना ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। हालांकि दोनों पार्टियों के पार्षद मिलकर भी कुल आंकड़ा 118 होता है और यह बहुमत के आंकड़े से सिर्फ 4 ज्यादा है। ऐसे में अंतर बहुत कम है और थोड़ा सा भी बदलाव बीएमसी के सत्ता समीकरण को गड़बड़ा सकता है।

शिवसेना यूबीटी का बयान- भगवान की कृपा हुई तो मुंबई का मेयर शिवसेना यूबीटी से होगा

महायुति में जारी खींचतान के बीच शिवसेना यूबीटी के बयान ने राजनीति को गरमा दिया है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बीएमसी चुनाव में हार के बाद कहा कि मुंबई में शिवसेना यूबीटी का महापौर बनते देखना उनका सपना बना हुआ है और अगर भगवान की कृपा हुई तो यह सपना अभी भी सच हो सकता है। हालांकि उन्होंने ये साफ नहीं किया कि ऐसा कैसे संभव है। शिवसेना यूबीटी के नेता सुनील प्रभु ने तर्क दिया है कि भाजपा की बीएमसी चुनाव में सफलता सिर्फ इसलिए मिली है क्योंकि शिवसेना एकजुट नहीं है। कांग्रेस के पूर्व नेता संजय झा ने भी कहा है कि अगर शिवसेना एकजुट होती तो बीएमसी चुनाव में भाजपा के जीतने की कोई संभावना नहीं थी।

वसुधैव कुटुंबकम 4.0 में तीसरे दिन व्यापक विचार-विमर्शः छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में आयोजित 'वसुधैव कुटुंबकम की ओर' कॉन्क्लेव और प्रदर्शनी का तीसरा दिन बहुत ही फलदायी रहा। कानूनी क्षेत्र के विशेषज्ञों ने विधायी चर्चा की, इसके अलावा छात्र केंद्रित गतिविधियों में भी युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही सार्वजनिक चर्चा के मंच पर उपस्थित लोगों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

'वसुधैव कुटुंबकम' प्रदर्शनी पूरे दिन खुली रही और आगंतुकों की संख्या भी उत्साहजनक रही। आगंतुकों ने न्याय और शाश्वत विश्व व्यवस्था के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान में निहित परिवार के 12 शाश्वत सिद्धांतों की प्रस्तुति देखी। इसके साथ ही भारतीय संविधान के 75 वर्षों पर आधारित प्रदर्शनी भी आयोजित की जा रही है, जिसमें संयुक्त परिवार की संगठन क्षमता, संवैधानिक संतुलन, सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिक शासन जैसे विषयों को प्रस्तुत किया गया।

इस कॉन्क्लेव के दौरान छात्रों की भागीदारी मुख्य केंद्र बिंदु रही। इसके लिए विशेष रूप से तैयार किए गए 'स्टूडेंट एंगेजमेंट ज़ोन' में मूट कोर्ट के सेमी-फाइनल और फाइनल राउंड आयोजित किए गए। विधि (ैं) के छात्रों ने वकालत, कानूनी तर्क और प्रक्रिया की सटीकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फाइनल राउंड के बाद प्रतिभागियों के प्रयासों और उत्कृष्टता की सराहना करने के लिए एक औपचारिक सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ा।

कॉन्क्लेव स्थल के मथुरादास हॉल में 'मौलिक अधिकारों' (इर्ल्ीसर्ह्रीर्ं ग्रे) विषय पर पैनल-3 के साथ कानूनी चर्चा अधिक व्यापक और फलदायी रही। इस सत्र में बॉम्बे हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं- रफीक दादा, ज़ाल अंध्यारुजिना, प्रदीप संचेती तथा चेतन कपाड़िया ने मौलिक अधिकारों के उद्भव, व्याख्या और वर्तमान चुनौतियों पर विस्तृत और मार्गदर्शक विचार प्रस्तुत किए। इस चर्चा में न्यायिक संतुलन, नागरिक स्वतंत्रता और संवैधानिक सुरक्षा कवच जैसे विषयों को शामिल किया गया।

दोपहर बाद के सत्र में 'संविधान और जीवन के अन्य क्षेत्र' विषय पर पैनल-4 आयोजित किया गया। जिसमें भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी.एन. श्रीकृष्णा, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संजय उपाध्याय, वरिष्ठ अधिवक्ता नौशाद इंजीनियर, बीसीएमजी के उपाध्यक्ष उदय वारुंजीकर और बॉम्बे हाई कोर्ट के अधिवक्ता मयूर खांडेपरकर उपस्थित रहे। इस पैनल ने कानून और उभरते क्षेत्रों के बीच अंतर्संबंध, पर्यावरणीय और संस्थागत दृष्टिकोण पर चर्चा की। शाम के समय राजनीति, बिजनेस, कीमती धातुओं और पर्यावरण-जलवायु जैसे विषयों पर पॉडकास्ट सत्र आयोजित किए गए। इस चर्चा के माध्यम से व्यापक जनसमुदाय को सटीक और उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई, इतना ही नहीं बल्कि इस सत्र ने कॉन्क्लेव में परस्पर चर्चा का एक नया आयाम जोड़ा।

कुल मिलाकर, 18 जनवरी का दिन संवैधानिक संवाद, छात्र सशक्तिकरण और सांस्कृतिक जुड़ाव के समन्वय के लिए महत्वपूर्ण रहा।

'हिंद-दी-चादर' के विचार को हर घर तक पहुंचाएं-डिविजनल कमिश्नर जितेंद्र पापलकर

नांदेड़ में ऐतिहासिक समारोह के लिए प्रशासन तैयार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सिख धर्म के नौवें गुरु 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें ऐतिहासिक 'शहीदी समागम' के विचारों को छत्रपति संभाजीनगर के डिविजनल कमिश्नर जितेंद्र पापलकर ने निर्देश दिया कि गांवों और हर घर तक पहुंचाया जाए।

वे 24 और 25 जनवरी को नांदेड़ में होने वाले इस भव्य कार्यक्रम के प्रचार कार्य की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। नांदेड़ जिला कलेक्टर कार्यालय में हुई इस बैठक में श्री पापलकर ने प्रचार टीम को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि गुरुजी के विचारों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए तरीकों पर भी जोर देना चाहिए।

श्री पापलकर ने बताया कि कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए शिक्षा विभाग की भागीदारी, जिसमें विभिन्न मीडिया का प्रभावी उपयोग शामिल है, महत्वपूर्ण है। स्कूलों के माध्यम से सुबह की सैर, निबंध, चित्रकला, क्विज़ और समूह गीत जैसी गतिविधियों का आयोजन करके छात्रों और अभिभावकों तक कार्यक्रम का संदेश पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि माहौल बनाने के लिए सरकारी कार्यालयों, पेट्रोल पंपों और सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग्स लगाए जाने चाहिए।

सभी के सहयोग से सामाजिक और धार्मिक सद्भाव के कार्यक्रम को सफल बनाएं।- सचिव रुचेश जयवंशी

नांदेड़,।नांदेड़ शहर के मोदी मैदान में आयोजित 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम की तैयारियां ज़ोरों पर हैं, और ज़िला प्रशासन ने इस भव्य कार्यक्रम के लिए बारीकी से और सुनियोजित व्यवस्था की है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए 26 अलग-अलग समितियां बनाई गई हैं, और इन समितियों के माध्यम से हर छोटी-बड़ी बात की योजना बनाई गई है। अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव रुचेश जयवंशी ने उम्मीद जताई कि सभी के तालमेल और सहयोग से सामाजिक और धार्मिक सद्भाव का यह कार्यक्रम सफल होगा।

राज्य सरकार के अल्पसंख्यक विकास विभाग, राज्य स्तरीय समिति, साथ ही सिख, सिक्किकर, बंजारा, लबाना, सिंधी, मोहयाल, वाल्मीकि, उदासल, भगत नामदेव (वारकरी संप्रदाय) और अन्य सभी समुदायों ने मिलकर 24 और 25 जनवरी को नांदेड़ के मोदी मैदान में 'हिंद-दी-चादर' कार्यक्रम का आयोजन किया। इसी पृष्ठभूमि में, आज मोदी मैदान में गठित समितियों के काम की विस्तृत समीक्षा की गई।

संभागीय आयुक्त जितेंद्र पापलकर, ज़िलाधिकारी राहुल कार्डिले, ज़िला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेघना कावली, श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी शहीद समागम राज्य समन्वय समिति के समन्वयक रामेश्वर नाइक, शहीद समागम समिति के सरकारी समन्वयक डॉ. जगदीश सकवान, निवासी उप ज़िलाधिकारी किरण आंबेकर, नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त गिरीश कदम, लातूर संभाग के सूचना उप निदेशक विवेक खड़से, सभी समितियों के नोडल अधिकारी, गुरुद्वारा बोर्ड के अधीक्षक हरजीतसिंह कडेवाले सहित सभी सरकारी और गैर-सरकारी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा मराठी एकांकी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन - सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार

मुंबई, छत्रपति संभाजी नगर, पुणे और अमरावती में प्रारंभिक दौर आयोजित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित महाराष्ट्र राज्य मराठी एकांकी नाटक प्रतियोगिता इस साल चार डिवीजनों में आयोजित की जा रही है। सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने विश्वास जताया है कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से मराठी एकांकी नाटक आंदोलन में एक नया इतिहास रचा जाएगा।

यह एकांकी प्रतियोगिता इस साल से सिर्फ कॉलेज स्टूडेंट्स के लिए आयोजित की जा रही है। कोंकण क्षेत्र की प्रतियोगिता 19 से 23 जनवरी 2026 तक यशवंत नाट्य मंदिर, माटुंगा में आयोजित की जा रही है। इसके साथ ही, यह प्रतियोगिता पुणे, अमरावती और छत्रपति संभाजीनगर जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में प्रारंभिक दौर के रूप में आयोजित की जाएगी। यह राज्य भर के भाग लेने वाले थिएटर समूहों के लिए एक सुनहरा अवसर होगा।

प्रारंभिक दौर में प्रदर्शन करने वाली टीमों में से, प्रत्येक डिवीजन से 5 सर्वश्रेष्ठ टीमों को ग्रैंड फिनाले के लिए चुना जाएगा, इस प्रकार कुल 20 टीमें अंतिम चरण में पहुंचेंगी।

खास बात यह है कि यह पूरा प्रारंभिक दौर मुफ्त रखा गया है। सांस्कृतिक मामलों के निदेशक बिभीषण चावरे ने अधिक से अधिक थिएटर समूहों और इच्छुक दर्शकों से इस एकांकी प्रतियोगिता में नाटकों का लाभ उठाने की अपील की है।

मंत्री एडवोकेट शेलार ने यह भी कहा कि इस भव्य प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य मराठी थिएटर में उभरते कलाकारों को एक मंच प्रदान करना, एकांकी नाटक आंदोलन को पुनर्जीवित करना और महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा की विरासत को और समृद्ध करना है।

सम्पादकीय

युवा देश, घटते मौके- क्या बढ़ती बेरोजगारी रोक रही है 'विकसित भारत 2047' की राह?

देश में पिछले कुछ वर्षों से बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इससे बड़े स्तर पर युवा श्रम शक्ति का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है और यह राष्ट्र के संपूर्ण विकास में भी अवरोध पैदा कर रहा है। किसी भी अर्थव्यवस्था को तभी संतुलित माना जाता है, जब उसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हों। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कुल कार्यबल तथा जनसंख्या के लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यहां युवाओं की आबादी अन्य देशों की तुलना में अधिक है। मगर इस कार्यबल को व्यापक रूप से राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी के समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

इसका आकलन केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि देश में पंद्रह वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर पिछले वर्ष दिसंबर में बढ़कर 4.8 फीसद पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 4.7 फीसद था। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी का असर ज्यादा रहा, जहां इसकी दर नवंबर में 6.5 फीसद से बढ़कर 6.7 फीसद हो गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर घट रहे हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसी योजनाओं की शुरुआत की गई है, लेकिन इनका असर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रहा है। कई युवा और श्रमिक वर्ग अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

कृत्रिम मेधा और डिजिटलीकरण के कारण भी रोजगार में कमी आई है। हालांकि, डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं, लेकिन इनमें भी विशेष कौशल की आवश्यकता होती है, जो हर किसी के पास नहीं है। इसमें दोराय नहीं कि रोजगार की मांग के अनुपात में सरकारी नौकरियों की संख्या में वृद्धि नहीं हो पा रही है।

इसके अलावा, सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और परीक्षा प्रणाली के मुद्दे भी रोजगार हासिल करने के समान अवसरों को प्रभावित करते हैं। हालांकि आंकड़ों के हिसाब से देखें तो शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में राहत की बात यह है कि वहां पिछले वर्ष नवंबर से दिसंबर के बीच बेरोजगारी दर 3.9 फीसद पर स्थिर है।

दरअसल, किसी भी देश में संपूर्ण आर्थिक विकास तभी संभव हो पाता है, जब सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो, प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी तथा गरीबी, भुखमरी और सामाजिक असमानता में कमी आए तथा रोजगार की उपलब्धता और प्रति व्यक्ति खुशहाली हो। विकास का माडल ऐसा होना चाहिए, जिसमें रोजगार के अवसर, गरीबों का उत्थान और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित हो सके तथा महंगाई की दर कम रहे।

सवाल है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, क्या मौजूदा परिस्थितियों की लिहाज से उसे तय समय में हासिल किया जा सकेगा! यह सच है कि बेरोजगारी दर में उतार-चढ़ाव से देश के विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि बेरोजगारी दर में कमी लाने के लिए शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ने को प्राथमिकता दी जाए और सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएं। तभी भारत सही मायने में एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ पाएगा।

पर्यावरण : जान-माल के नुकसान की नेताओं को परवाह नहीं

देश के समक्ष पर्यावरण परिवर्तन एक ऐसी चुनौती बन गई है, जिसकी कीमत हर साल हजारों लोगों की जान देकर और अरबों रुपयों के नुकसान से चुकानी पड़ती है। हर साल विकराल होती इस समस्या के नेता और राजनीतिक दल गंभीर दिखाई नहीं देते। वोट बैंक की राजनीति इस गंभीर समस्या पर भारी पड़ रही है। केंद्र और राज्यों की सरकारों के लिए यह समस्या प्राथमिक सूची में नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार साल 2025 के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया जिसमें सैकड़ों आम लोगों की जान चली गयी। बीते साल 2025 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश में 2700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। सबसे ज़्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड की गई, जबकि मध्य प्रदेश आपदा से हुई मौतों के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। आंधी-तूफ़ान और बिजली गिरने की वजह से सबसे ज़्यादा मौतें बिहार में रिकॉर्ड की गई।

उत्तर-पश्चिम भारत में, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में बदल फटने, भूस्खलन और फ़्लैश फ्लड जैसी आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया। बीते साल 1901 के बाद पिछले 124 साल में से तीसरी सबसे अधिक रिकॉर्ड की गयी।अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनी स्विस रे की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। इस विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय आपदा जोखिम न्यूनीकरण की रिपोर्टों के अनुसार भारत प्राकृतिक आपदाओं से सर्वाधिक आर्थिक नुकसान झेलने वाले शीर्ष देशों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य रिपोर्टों के अनुसार भारत को चरम मौसम की घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं के कारण हर साल भारी आर्थिक नुकसान होता है, लेकिन यह आंकड़ा 7 अरब डॉलर से काफी अधिक है, जो हाल के वर्षों में बढ़कर 8.7 अरब डॉलर (2021 की रिपोर्ट के अनुसार) या इससे भी अधिक (जैसे 2023 में 12 अरब डॉलर) हो गया है, क्योंकि बाढ़, तूफान और सूखे जैसी आपदाएं बढ़ रही हैं। 2003-2012 के दशक के 3.8 अरब डॉलर के औसत से बढ़कर 2013-2022 के दशक में यह औसत 8 अरब डॉलर प्रति वर्ष हो गया है, जो 125इ की वृद्धि है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत को जलवायु-संबंधी खतरों से 87 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 (सीआरआई) की नई रिपोर्ट के अनुसार, 1995-2024 की अवधि में भारत दुनिया के उन शीर्ष 10 देशों में रहा है, जिन्हें जलवायु परिवर्तन से जुड़े चरम मौसम-कार्यों (बाढ़, तूफान, हीटवेव, सूखा आदि) का सबसे ज़्यादा सामना करना पड़ा है। इस 30-वर्षीय अवधि में भारत में करीब 430 आपदाएं हुईं, जिनमें लगभग 80, 000 लोगों की मौत हुई और 1.3 अरब से अधिक लोग प्रभावित हुए। अनुमानित आर्थिक हानि लगभग 170 अरब डालर रही। सीआरआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत 'लगातार खतरे' की श्रेणी में आता है। देश में जलवायु आपदाएँ इतनी बार-बार हो रही हैं कि एक घटना के प्रभाव से पूरी तरह उबरने से पहले ही अगली आ जाती है। नहरों, हिमालयी नदियों, समुद्री तटीय इलाकों और कृषि-प्रधान क्षेत्रों के लिए यह विशेष रूप से चिंता की बात है।

भारत में जलवायु परिवर्तन से सिर्फ मौसम ही नहीं बिगड़ रहा, बल्कि यह बदलाव लोगों की सेहत पर भी सीधा हमला कर रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ से जुड़े शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए इस अध्ययन के मुताबिक भारत के जलवायु संवेदनशील जिलों में बच्चों के कुपोषित होने का खतरा अन्य जिलों की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। इन जिलों में महिलाओं के घर पर प्रसव और बच्चों के ठिगने होने की आशंका भी अधिक है। मतलब कि जलवायु संकट का सीधा असर मां और शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस कड़ी में दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के शोधकर्ताओं ने अपने एक नए अध्ययन में भारत में जलवायु संकट और स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को उजागर किया है। अध्ययन से पता चला है जलवायु जोखिम वाले जिलों के बच्चों के कुपोषित होने की आशंका 25 फीसदी अधिक है, यानी इन जिलों में बच्चों का वजन उम्र के अनुपात में सामान्य से कम होने का खतरा कहीं ज्यादा है।

यूनेस्को की एक नई रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चे अपनी पढ़ाई में डेढ़ साल तक पीछे रह सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से बाढ़, जंगल की आग, गर्मी और तूफान जैसी आपदाओं ने पिछले 20 सालों में 75इ मामलों में स्कूल बंद करवाए हैं। बांग्लादेश, दक्षिण सूडान और भारत जैसे देशों में बच्चे स्कूल नहीं लौट पाते, क्योंकि उनके घर, स्कूल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। भारत में 15 लाख से ज्यादा स्कूल हैं, जिनमें से कई में न तो पंखे हैं और न ही ठंडक की कोई व्यवस्था। शहरों में, कम आय वाले इलाके खराब शहरी नियोजन और हरियाली की कमी के कारण असमान रूप से प्रभावित होते हैं। ग्रामीण इलाकों और गरीब बस्तियों में स्थिति और खराब है। इन तमाम रिपोर्टों से जाहिर है कि नए साल और आने वाले भविष्य में पर्यावरणीय चुनौतियां और भी गंभीर होंगी। इसकी फिक्र नेताओं और राजनीतिक दलों को नहीं है। उन्हें यदि फिक्र है तो ऐसे तात्कालिक मुद्दों की जिनसे वोट बटोरा जा सके। देश चलाने वालों ने वक्त रहते इन समस्याओं के प्रति यदि गंभीर रुख नहीं अपनाया तो यह हालात देश को भयानक अंधकार की तरफ ले जाने वाले साबित होंगे।

हंस कर जीने का रहस्य - टेंशन के दौर में भी अंदर से मजबूत क्यों रहते हैं खुशदिल लोग, और कैसे वही समाज की असली ताकत बन जाते हैं?

हंसते और मुस्कुराते हुए लोगों को गौर से देखिए, तो दिल में उनकी तरह ही भावना उमड़ने लगती है। ऐसे लोगों के पास कुछ पल ठहर कर वहां से जब भी लौटिए, तो उदास जिंदगी भी आनंदित लगने लगती है। दार्शनिक शेख सादी ने भी 'खुशदिल' शब्द को गढ़ते हुए इसका ध्यान रखा था कि इसे सही समझा जाए। अल्बर्ट आइंस्टाइन को खुश और मदमस्त देख कर लोग हैरत में पड़ जाते थे। सच ही है, एक बार तो यह सवाल जेहन में पैदा होता ही है कि जो लोग ऐसे अंदाज में रहते हैं, वे अपने विचार कैसे संतुलित कर पाते होंगे।

सही कहा जाए, तो यह जीवन सुख और दुख का मिश्रण है। इस मिश्रण में अपने आसपास हंसी और खुशी के पल निर्मित करने वाले लोग ही सही मायने में सच्चे और अच्छे होते हैं। यही लोग बगैर किसी आडंबर या दिखावे के किसी का भी दिल जीत लेते हैं। खुश रहने वाले कई कारणों से चर्चा में भी रहते हैं। ये लोग जरा-सी बात पर कष्ट तकलीफ और तनाव का रोना लेकर नहीं बैठे रहते। मगर इनकी बातों में छोटी-छोटी खुशियों का जिक्र जरूर होता है।

ये लोग मौसम सुहावना होने पर, किसी मित्र का बहुत दिनों बाद फोन आने पर या गमले में उगे पौधे पर फूल खिल जाए, तो भी झूम-झूम कर नाचने लगते हैं। मानो कोई लाटरी लग गई हो। इनके दिल में सकारात्मकता का ऐसा साम्राज्य रहता है कि खुशी और हंसी खुद आकर इनको गले से लगा लेती है।

इसीलिए खुशदिल और हंसते हुए लोग अपने समाज की जान बन जाते हैं। लोग भले ही किसी शानदार दावत में जाने से मना कर देंगे। मगर इन भले लोगों के साथ बैठने के लिए दस बहाने खोजते हैं। इनके पास से उठ कर जाना नहीं चाहते। क्योंकि इनको तो शब्द भी नहीं चाहिए। ये तो आंखों से बोलते हैं, और जब मौखिक रूप से बोलते हैं, तो ऐसा बोलते हैं कि समां बंध जाता है। ये लोग अच्छाई के ही पक्ष में रहते है। किस माटी के बने होते होंगे ये संतोषी और खुश लोग? मन पूछता तो है।

कौरवों से जुएं में अपना सब कुछ हार कर पांडव दर-दर की ठोकरें खा रहे थे। ऐसे में भी पांडव अपना धर्म-कर्म नहीं भूलते थे। एक दिन, जब युधिष्ठिर पूजा करके उठे, तो द्रौपदी उनके पास आईं और कहने लगीं- 'महाराज, आप इतना भजन-पूजन करते हैं। भगवान के निकट समझे जाते हैं। आप उनसे यह क्यों नहीं कहते कि वे हमारे संकट दूर कर दें?'

युधिष्ठिर सहजता से बोले- 'सुनो द्रौपदी, मैं परमात्मा का भजन किसी सौदे के लिए नहीं करता, बल्कि यह भजन-पूजन तो मैं मन की खुशी, सुकून और आत्मिक आनंद के लिए करता हूं। प्रकृति ने ये पर्वत और नदियां बनाई हैं। हम इन्हें देख कर आनंदित होते हैं। ये जो कुछ भी देती हैं, वे स्वयं प्रदान करती हैं। इसी प्रकार, भगवान के भजन कर मैं स्वयं आनंदित होता हूं और उस समय उत्पन्न हुई प्रसन्नता ही मुझे परिस्थितियों से निपटने की क्षमता प्रदान करती है। यदि मैं अपने पूजा-पाठ के बदले भगवान से कुछ मांगूंगा, तो यह मेरी श्रद्धा नहीं, बल्कि भगवान से सौदेबाजी होगी।'

इस प्रसंग में गहरी बात है। संदेश है। दरअसल, यह प्रसंग नहीं, जीवन को हल्का-फुल्का बनाए रखने का मूलमंत्र है। महान दार्शनिक प्लूटो कहते हैं कि हमारा यह जीवन हमारे विचारों की ही अभिव्यक्ति है। यानी विचार खुशदिल, तो जीवन भी खुशी से भरा हुआ। एक बार रवींद्रनाथ टैगोर के पैर में फोड़ा हो गया। शिष्य उनके पास आकर संवेदना जताने लगे। गुरुदेव गीत गा रहे थे। सभी को अचरज हुआ।

गुरुदेव बोले कि मुझे फोड़ा नही हुआ। मेरे पैर को हुआ। मैं तो आनंद में हूं। तुम मेरी फिक्र मत करो। दस दिन बाद संगीत उत्सव है। उसकी तैयारी पर ध्यान दो। छात्र उनकी बात सुन कर गदगद हो गए। कितनी प्यारी बात है कि ऐसे लोगों के भीतर दर्द में भी आह नहीं, बल्कि जीने की चाह है।

फ्रांस में नोके नामक संत थे। वहां के राजा चार्ल्स उनकी विद्वता के बहुत कायल थे और उन्हें सम्मानित कर अपने दरबार में लाना चाहते थे, लेकिन जब नोके संभ्रांत नागरिकों के साथ गिरजाघर में प्रार्थना कर रहे थे, तो वह सलाहकार क्रोधित होकर आया और नोके को अपशब्द कहे, 'तुम बड़े विद्वान और ईश्वर के निकट माने जाते हो। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि ईश्वर इस समय क्या कर रहे हैं?'

संत ने तुरंत मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'पुत्र, इस समय पृथ्वी पर जो लोग हंस कर जी रहे हैं, वह उन्हें उन्नत कर रहे हैं और जो शिकायती तथा कलेशी हैं, उन्हें वह तुरंत ही नीच बना रहे हैं।' संत की मधुर वाणी में संयमित जवाब सुन कर उस अहंकारी सलाहकार का सारा घमंड चूर-चूर हो गया। इसीलिए हंस कर जीने का अपना एक अलग ही दर्शन होता है। यह सेहतमंद मन की निशानी है। इसलिए तो खुशदिल मरीज से चिकित्सक भी कहते है कि चिंता की बात नहीं है आप जल्द स्वस्थ हो जाएंगे। इसलिए खुशदिल होने का अपना एक अलग ही आनंद है।

जिंदगी का आईना हंस कर देखने में साफ नजर आता है। सतरंगी दुनिया के हर रंग उदासी में बदरंग नजर इसके लिए तैयार नहीं हुए, तो राजा स्वयं उनके मठ में पहुंच गए। वहां धर्म के साथ-साथ कई अन्य विषयों पर वार्तालाप हुई। राजा ने उनसे कुछ राजनीतिक विषयों पर भी सलाह ली।

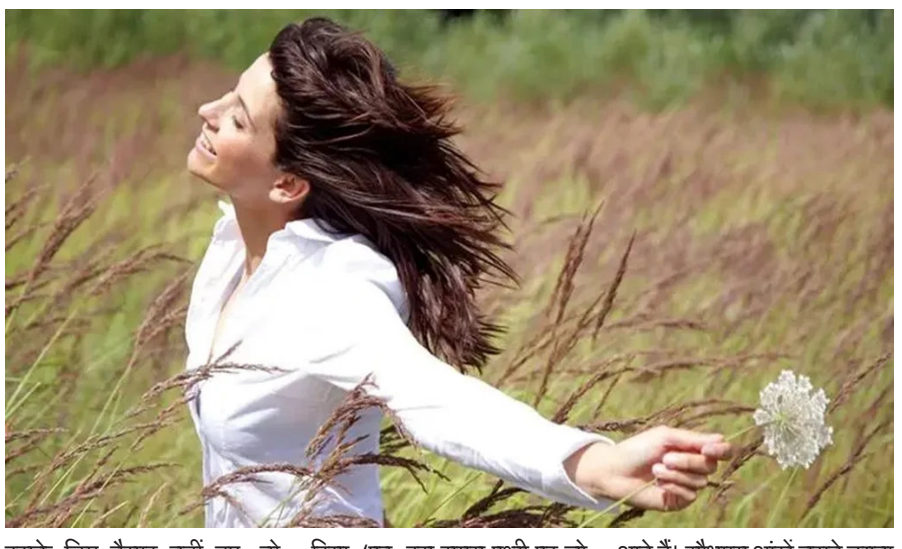

दरबारियों को यह सब अच्छा नहीं लगा। मुख्य सलाहकार तो नोके का अपमान करने को तैयार हो गया। अगले दिन, जब नोके राजा और अन्य आते हैं। सौभाग्य आंखें चुराने लगता है। जरा ठीक से देखो, तो यह जीवन इतना भी जटिल नहीं है। बस उदास मन से की गई यात्राएं जरूर कठिन होती हैं। जरूरत है मन के ठहराव की। अगर एक बार हम ठहर गए, तो भटकाव का प्रश्न नहीं उभरेगा। फिर हंसते हुए जीवन यात्रा मंजिल तक पहुंचेगी और यही जीवन की सच्ची यात्रा भी होगी।

हामिद का चिमटा और आज का बचपन, क्या हम बच्चों से उनका सबसे जरूरी हिस्सा छीन रहे हैं?

मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' का पात्र हामिद आज भी हम सबकी स्मृति में है। याद कीजिए हामिद के हाथ में खिलौने नहीं हैं। उस पर मेले की चमक-दमक का दबाव तो है, फिर भी वह अपनी दादी अमीना की अंगुलियों को चूल्हे की आग से बचाने के लिए लोहे का चिमटा खरीदता है। उस उम्र में हामिद पर न तो 'अच्छा प्रदर्शन' करने का दबाव है, न दूसरों से आगे निकलने की होड़। उसकी समझ, संवेदना और परिस्थिति ही उसका मार्गदर्शन करती है।

इस कहानी में मेले का यह प्रसंग हमें याद दिलाता है कि बचपन मूलतः तुलना, प्रतिस्पर्धा और परिणाम का नहीं, बल्कि समझ, सहानुभूति और धीरे-धीरे सीखने का समय होता है। मगर आज का बचपन उस हामिद से बहुत दूर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे कम उम्र में ही हर मोर्चे पर बेहतर साबित हों। यहीं से यह सवाल उठता है कि क्या हम बच्चों से वह छीन रहे हैं, जो बचपन का सबसे जरूरी हिस्सा है। बेहतर करने के दबाव ने आज के बच्चों की मानसिक स्थिति पर गहरे से वार किया है।

आज बच्चों पर 'अच्छा करने' का दबाव केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित नहीं रह गया है। विद्यालय, घर और समाज तीनों जगह उनसे निरंतर बेहतर साबित होने की उम्मीद की जाती है। बेहतर अंक, बेहतर रैंक, बेहतर स्कूल, बेहतर करिअर, यह क्रम बचपन को भी एक अंतहीन दौड़ में बदल देता है। समस्या यह नहीं है कि बच्चों से मेहनत की अपेक्षा की जाती है। समस्या यह है कि असफलता को सीख नहीं, बल्कि कमजोरी मान लिया जाता है। यही सोच धीरे-धीरे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण और अन्य अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भारत में बच्चों और किशोरों में चिंता, अवसाद तथा तनाव से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका एक बड़ा कारण लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहने का दबाव है। बच्चे अपने आप को केवल परिणामों के आधार पर आंकने लगते हैं। पढ़ाई में पिछड़ना, किसी परीक्षा में असफल होना या अपेक्षित स्तर तक न पहुंच पाना उन्हें स्वयं के प्रति अत्यधिक कठोर बना देता है। उम्र के साथ यह दबाव अपना रूप बदलता है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों से अपेक्षा होती है कि वे अनुशासन में रहें, जल्दी सीखें और हर काम सही ढंग से करें। इस उम्र में बच्चा अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाता, इसलिए उसका तनाव व्यवहार में दिखता है, चिड़चिड़ापन, चुप्पी या डर के साथ वह जीने लगता है। आगे की कक्षाओं में पहुंचते-पहुंचते उसकी तुलना और प्रतिस्पर्धा और तेज हो जाती है। सहपाठियों से आगे निकलने की दौड़, कोचिंग और अतिरिक्त कक्षाओं का बोझ बच्चों की सहज जिज्ञासा को भी दबाने लगता है। किशोरावस्था में यह दबाव और गहरा हो जाता है। बोर्ड परीक्षा, कालेज में दाखिला और करिअर की चिंता बच्चों को घेर लेती है।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के मामलों में 15-29 वर्ष का आयु वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है और इनमें शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में असफलता तथा अपेक्षाओं का बोझ प्रमुख कारणों में शामिल हैं। लड़कियों के संदर्भ में यह समस्या और जटिल है। पढ़ाई के साथ-साथ उनसे सामाजिक अपेक्षाएं भी जुड़ जाती हैं, संयम, सुरक्षा, जिम्मेदारी और कई बार घरेलू कार्यों का बोझ उनके लिए लड़कों से ज्यादा दबाव में डालने लगता है। आंकड़े बताते हैं कि देश में किशोरियों में खून की कमी और पोषण की समस्या व्यापक है, जिसका सीधा असर सीखने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसके बावजूद लड़कियों के मानसिक तनाव और दबाव पर चर्चा नहीं होती।

बच्चों की दुनिया अब पहले जैसी नहीं रही। खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं हैं। फिटनेस, योग, मार्शल आर्ट और यहां तक कि 'ई-स्पोर्ट्स' भी बच्चों को अपनी क्षमता पहचानने के नए अवसर दे रहे हैं। इसी तरह मोबाइल और डिजिटल तकनीक को केवल भटकाव मानना वास्तविकता को नजरअंदाज करना है। आनलाइन कक्षाएं, शैक्षणिक ऐप, डिजिटल पुस्तकालय और कौशल-आधारित मंच सीखने के तरीके बदल चुके हैं।

पढ़ाई अब केवल किताब और परीक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि समझ, प्रयोग और रचनात्मकता को भी महत्त्व मिलने लगा है। इन बदलावों के बीच सबसे बड़ा सवाल माता-पिता की सोच से जुड़ा है। पुराने पैमानों यानी अंक, रैंक और तुलना से बच्चों की क्षमता को आंकना आज के समय के साथ मेल नहीं खाता। हर बच्चा एक जैसा नहीं सीखता, न ही एक दिशा में आगे बढ़ता है।

किसी बच्चे की रुचि खेल में है, किसी की कला में, किसी की तकनीक में। यह अभिवावक को समझना होगा। जब माता-पिता बच्चों को केवल एक तय ढांचे में फिट करने की कोशिश करते हैं, तो वही दबाव जन्म लेता है, जो आगे चल कर तनाव और असफलता का कारण बनता है। सरकार और शैक्षणिक संस्थान भी अब इस समस्या को पहचानने लगे हैं। स्कूलों में परामर्श, हेल्पलाइन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों की शुरुआत एक सकारात्मक संकेत है। मगर संस्थागत प्रयास तब तक पर्याप्त नहीं हो सकते, जब तक घर का वातावरण सहयोगी न हो। बच्चे सबसे पहले घर में सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं, जहां वे बिना डर के अपनी बात कह सकें, अपनी असफलताओं को साझा कर सकें।

आप सोच कर देखिए कि एक छात्र जो विज्ञान की किताबों से इतर मिट्टी के खिलौने बनाते हुए ज्यादा खुश हो रहा है, उसका पारिवारिक माहौल क्या होगा? इसी तरह संगीत में डूबे रहने वाले एक बच्चे के माता-पिता अगर उसी पुरानी सोच के आधार पर बच्चे से कुछ अलग की उम्मीद करेंगे, तो यह उसका मानसिक शोषण ही होगा।

इसलिए बच्चों पर अलग से बोझ नहीं डालना चाहिए। उन्हें यह अवसर दें कि वे वही करें, जिसमें उनकी स्वाभाविक रुचि और क्षमता है, क्योंकि हर बच्चे का सीखने और आगे बढ़ने का तरीका अलग होता है। इसका अर्थ यह नहीं कि बच्चों को पूरी तरह बिना दिशा के छोड़ दिया जाए। उन्हें मार्गदर्शन और निगरानी की भी आवश्यकता होती है, लेकिन यह निगरानी नियंत्रण या डर के माध्यम से नहीं, बल्कि समझ और संवाद के माध्यम होनी चाहिए। जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनकी बात सुनी जा रही है और उनके निर्णयों में भरोसा रखा जा रहा है, तब वे दबाव में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं और अपनी जिम्मेदारियों को भी बेहतर ढंग से समझ पाते हैं।

ऐसे में बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद और भरोसा सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। अनुभव और उत्साह के बीच संतुलन तभी संभव है, जब दोनों एक-दूसरे को सुनें और समझें। 'हामिद' को फिर से याद कीजिए, उसके पास विकल्प बहुत थे, लेकिन उसने अपनी परिस्थिति के अनुसार खुद की जरूरत चुनी थी।

माघ मेले में आत्मप्रचार की राजनीति और कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा की शांतिपूर्ण ऐतिहासिक मिसाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में हाल ही में तथाकथित 'शंकराचार्य' अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़ी घटना को जिस प्रकार प्रमुखता से प्रसारित किया गया, वह पूरी तरह ड्रामेबाजी, आत्मप्रचार और अनावश्यक टकराव का उदाहरण है। हमारा स्पष्ट मत है कि स्वयं को 'सातवां बाबा' की तरह हाईलाइट करने और चर्चा में बने रहने के उद्देश्य से अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा यह पूरा घटनाक्रम जानबूझकर रचा गया।

इसके ठीक विपरीत, कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर, संयम, अनुशासन और सनातन मर्यादा के साथ पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जो यह सिद्ध करती है कि जब उद्देश्य धर्म, न्याय और आस्था हो, तब टकराव की कोई आवश्यकता नहीं होती।

यात्रा के दौरान संगम क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ और प्रशासनिक दबाव की स्थिति रही। पुल नंबर-1 पर कुछ समय के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद एवं असहमति की स्थिति बनी, जिसमें कृष्ण सेना के प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिंह , एवं अन्य कार्यकर्ताओं तथा पुलिस इंस्पेक्टर विनोद यादव एवं नायब तहसीलदार अभिजीत गौरव के बीच नोकझोंक हुई। किंतु सेक्टर मजिस्ट्रेट-2 विजय त्रिवेदी के समयोचित, संतुलित एवं संवेदनशील हस्तक्षेप से स्थिति तुरंत नियंत्रित हो गई।

सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट, मथुरा के अध्यक्ष, माता शाकुंभरी पीठाधीश्वर एवं कृष्ण जन्मभूमि केस के मुख्यवादी पक्षकार आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज से आग्रह किए जाने पर यात्रा को वैकल्पिक मार्ग पुल नंबर-2 से निकाला गया, जिसे यात्रा नेतृत्व ने पूर्ण सहयोग, अनुशासन और प्रशासनिक सम्मान के साथ स्वीकार किया। यह घटना प्रशासन और धार्मिक नेतृत्व के बीच सकारात्मक समन्वय का उदाहरण बनी।

इसके पश्चात संगम तट पर भगवान केशव देव लड्डू गोपाल का विधिवत धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। सर्वप्रथम उन्हें माता गंगा एवं मां सरस्वती के पावन संगम जल से विधिवत स्नान कराया गया, तत्पश्चात सनातन परंपरा के अनुरूप उनकी पटरानी माता यमुना के पवित्र जल से मिलान (मिलन) कराया गया। यह पावन अनुष्ठान वैदिक मंत्रोच्चार, श्रद्धा और पूर्ण शांति के वातावरण में संपन्न हुआ, जिससे संगम तट पर उपस्थित श्रद्धालुओं में गहन आध्यात्मिक भाव देखने को मिला।

धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत यात्रा सकुशल कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति शिविर, सेक्टर-6, संगम ओवर ब्रिज, हरीशचंद्र चौराहा, प्रयागराज में वापस लौटी। पूरी यात्रा के दौरान कहीं भी कोई हिंसा, अव्यवस्था या प्रशासन से टकराव नहीं हुआ, जो स्वयं में कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन की मर्यादा और अनुशासन को दर्शाता है। इस अवसर पर कृष्ण जन्मभूमि केस के मुख्यवादी पक्षकार आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने कहा– 'सनातन धर्म में साधु-संत का आचरण ही उसकी सबसे बड़ी पहचान होता है। हमारा उद्देश्य न तो ड्रामा करना है और न ही सुर्खियों में आना, बल्कि धर्म, न्याय और मर्यादा के साथ भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के लिए संघर्ष करना है। प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए शांतिपूर्ण यात्रा इसका जीवंत प्रमाण है।'

उन्होंने आगे कहा कि जहां कुछ लोग फर्जी पदवियों, विवाद और टकराव के माध्यम से स्वयं को 'हाईलाइट' करना चाहते हैं, वहीं कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन पूरी तरह अहिंसक, न्यायिक प्रक्रिया में आस्था रखने वाला और सनातन मूल्यों पर आधारित आंदोलन है।

हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि अविमुक्तेश्वरानंद को आज तक न तो किसी मान्यता-प्राप्त शंकराचार्य पीठ की स्वीकृति प्राप्त है और न ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उन्हें शंकराचार्य के रूप में मान्यता दी गई है। ऐसे में माघ मेला जैसे पवित्र धार्मिक आयोजन में जानबूझकर टकराव उत्पन्न कर स्वयं को 'सातवां बाबा' के रूप में स्थापित करने का प्रयास न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि सनातन परंपरा और संत मर्यादा के भी विरुद्ध है।

ड्रामेबाऔर टकराव क्षणिक सुर्खियां दे सकते हैं, लेकिन संयम, अनुशासन, आस्था और सत्य के मार्ग पर चलने वाले आंदोलन ही इतिहास रचते हैं।

कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा आगे भी इसी मर्यादा, शांति और न्याय के पथ पर निरंतर चलती रहेगी।यात्रा में मुख्य रूप से राधा वाहिनी की राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रेम कामिका, कृष्ण सेना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आचार्य प्रेम निधि दास , कृष्ण सेना के प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिंह, जिला अध्यक्ष प्रशांत सिंह , आचार्य प्रशांत शास्त्री , आचार्य आदिया तिवारी, आचार्य हरि शरण, , विनीत भार्गव, शुभम भर्गव, निर्मल , राधे श्याम , अमरेंद्रकुमार, , मनीष सिंह, , अयोध्यादास, विनय शर्मा, संदीप अग्रहरी, बिपिन वास्तव , अविनाश सिंह देव, दीपक, लवकुश, शिवम, मनीष महाराज, मनीष डावर, राम दर्शन अग्रवाल, विनीत देवी, राजकुमारी, गीता कुमारी, सहित भारी संख्या में मौजूद रहे।

माघ मेला 2026 में फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश की ओर से माघ मेला 2026 के पावन अवसर पर 18 जनवरी 2026 (अमावस्या स्नान पूर्व) को दोपहर 12:30 बजे से फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन शिविर, माघ मेला, प्रयागराज में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

यह आयोजन संस्था की जनसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक दायित्व के प्रति सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, तीर्थयात्रियों एवं जरूरतमंदों ने प्रसाद ग्रहण कर लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ. त्रिभुवन सिंह, महासचिव डॉ. संतोष पांडेय , डॉ बिटम सिंह ज्वाइंट सेक्रेटरी सहित संस्था के अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. धीरज सिंह, डॉ. दिनेश मिश्रा, डॉ. अनुज सैनी, डॉ. दीप्ति योगेश्वर, डॉ. अर्चना पटेल, डॉ. विजय विश्वकर्मा, डॉ. ताजिम तथा फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अन्य सम्मानित सदस्य शामिल रहे।

सभी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने समर्पण भाव से सेवा कर कार्यक्रम को सफल बनाया। संस्था की ओर से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया गया।

शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती ने किया संगम स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती महराज ने मौनी आमावस्य का स्नान बडी संख्या में शिष्यों सहित संगम पर आज किया। उन्होने देशवासियों के सुखद भविष्य, उन्नति और लोक कल्याण की कामना किया है। उन्होंने बताया कि आज विश्व में विश्व युद्ध का खतरा मडरा रहा है उसको रोकना जरूरी है जिससे विश्व मे शांति बनी रहे।

आचार्य महामण्डलेश्वर के नेतृत्व में किन्नर संतों ने किया गंगा स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज के नेतृत्व में मौनी आमावस्या का आज स्नान माघ मेला क्षेत्र के ओल्ड जीटी रोड पर बने स्नान घाट पर गंगा में स्नान किया। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने सभी के कल्याण, लोक उन्नति की कामना किया। उन्होंने कहा कि मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती, भगवान वेणी माधव और तीर्थराज प्रयागराज से सनातन धर्म की धर्म ध्वजा फहरा पूरे विश्व में फहरा रही है। मौनी आमावस्या पर स्नान करने वाले किन्नर संतों में किन्नर

अखाड़ा के संरक्षक दुर्गादास महराज, यूपी की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी, सचिव महामण्डलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि, झारखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि, सचिव महामण्डलेश्वर अमरजीत, पंजाब की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी वामदेव महराज, उडीसा की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी मीरा नंद गिरि, महा मण्डलेश्वर स्वामी देवांशी नंद गिरि सचिव, गुजरात की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी गिरनारी नंद गिरि अध्यक्ष, सचिव पुन्या नंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी पूजानंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी भाविकानंद गिरि सहित किन्नर अखाडा के बडी संख्या में संत, शिष्य स्नान में शामिल हुए।

100 वर्ष की संघ यात्रा : चेतना सुरभि सनातन की - लाला सीताराम गोयल स्मृति सेमिनार 75.0 प्रायोजक एस आर चेरिटेबल ट्रस्ट

डॉ बजरंग लाल गुप्ता जी, संजीव गोयल जी, सुनील विश्वनाथ देवधर जी, लोक गायिका पद्मालिनी अवस्थी जी, कवि योगेन्द्र शर्मा आदि अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिममयी उपस्थिति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत की सनातन चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रबोध को समर्पित '100 वर्ष की संघ यात्रा - चेतना सुरभि सनातन की' विषय पर आयोजित लाला सीताराम गोयल स्मृति सेमिनार अत्यंत गरिमामय, प्रेरणादायक एवं वैचारिक ऊंचाई से परिपूर्ण दृष्टि से आयोजित किया गया। इस अवसर पर देश के प्रतिष्ठित संतों, विद्वानों, विचारकों एवं समाजसेवियों की गरिममायी उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

कार्यक्रम का आयोजन एस. आर. चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में किया गया, जिसका उद्देश्य सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय चेतना तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा को जनमानस तक पहुंचाना है।

सेमिनार में परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती का पावन सान्निध्य, आशीर्वाद एवं उद्बोधन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर डॉ. बजरंग लाल गुप्ता जी, संजीव गोयल जी, सुनील विश्वनाथ देवधर तथा सुप्रसिद्ध कवि योगेन्द्र शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा को सेवा, त्याग, तपस्या और राष्ट्रनिष्ठा का अनुपम उदाहरण बताया।

पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'सनातन है तो भारत है, भारत है तो सनातन है और संघ है तो सनातन है।' उन्होंने कहा कि संघ के कार्यकर्ताओं ने स्वयं अपमान झेलकर भी देश के स्वाभिमान को जीवित रखा। संघ ने सदैव समाज में संस्कार निर्माण का कार्य किया। संघ की शक्ति उसके अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति में निहित है। उन्होंने कहा कि श्रीराम और रामायण हमारे जीवन की मर्यादा हैं। श्रीराम केवल एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि आदर्श जीवन के प्रतीक हैं। रामायण भारतीय समाज के लिए नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक ग्रंथ है। आज जब विश्व मूल्य संकट से गुजर रहा है, तब रामायण मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ बन सकती है।

वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा सामाजिक पुनर्जागरण की यात्रा है। संघ ने देश के कोने-कोने में सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को जोड़ा, संस्कारों को जीवित रखा और राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रज्वलित किया।

सुनील विश्वनाथ देवधर ने संघ की वैश्विक छवि और उसकी राष्ट्रसेवा की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान करते हुये कहा कि वे आधुनिकता के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य तभी सुरक्षित है जब युवा पीढ़ी अपने सनातन मूल्यों को आत्मसात करेगी।

इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना है कि भारत की शक्ति उसकी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों में निहित है। संघ इस सनातन चेतना का वाहक बनकर समाज में निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र, संस्कृति और सनातन चेतना के प्रति समर्पण के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर जगदीश मित्तल जी, नंद किशोर गर्ग जी, सुभाष गोयल और अनके विभूतियों का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ।

केपी ट्रस्ट के सहयोग से सक्सेना सभा ने श्रद्धालुओं को किया चाय, स्नैक्स का वितरण

प्रयागराज। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मौनी अमावस्या पर स्नान करने आए श्रद्धालुओं को सक्सेना सभा द्वारा के पी ट्रस्ट के सहयोग से चाय व स्नैक्स का वितरण कर सेवा कार्य किया गया।

सचिव डा अंजनी सक्सेना ने बताया कि केपी कम्युनिटी के समीप चित्रगुप्त मंदिर के सामने स्टॉल लगाकर सुबह 6 बजे से श्रद्धालुओं को चाय, बिस्कुट, मठरी आदि का वितरण शुरू हुआ। हजारों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को गर्म चाय, नाश्ता मिलने से उन्हें ठंड से राहत मिली। श्रद्धालुओं ने गर्म चाय व नाश्ता पाकर सक्सेना सभा को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम आयोजन में विनीत सक्सेना तथा वालिंटियर्स अभिषेक सक्सेना, कृतिक सक्सेना, उन्नति, धीरज सक्सेना, कौशल आदि रविवार भोर से लगे रहे। कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट द्वारा टेन्ट आदि का निःशुल्क सहयोग प्रदान किया गया। अध्यक्ष डॉ अरविंद सरन दरबारी ने कहा कि सक्सेना सभा के लिए गर्व का पल है कि हर वर्ष पूरी समर्पणता के साथ श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष मनोज सक्सेना, एडवोकेट विश्व ज्योति सहाय, श्रीमती सुमन सक्सेना, डा स्नेह सुधा, अभिषेक सक्सेना, दिनेश सक्सेना, योगेश सक्सेना, संजीव सक्सेना, जूही सक्सेना, विशाल सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

किन्नर अखाडा में दो महंत, दो श्रीमहंत, चार कंठी चेला बने

देवघर के अजीत सिंह रूद्रा बनेगे श्रीमहंत : डा लक्ष्मी नारायण

किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर ने किया पट्टाभिषेक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज से किन्नर अखाडा का विस्तार जारी है। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने माघ मेला के सेक्टर - 6 ओल्ड जीटी रोड - संगम लोवर पर लगे शिविर में आज दो महंत, दो श्रीमहंत, चार कंठी चेला बनाए है। विधि विधान से हुए कार्यक्रम में उडीसा की महंत सोनू नंद गिरि, महंत भूतनाथ कोलकाता व सोनाली नंद गिरि और श्रीमहंत प्रियांशु नंद गिरि महंत बनाये गये है।

किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) स्वामी लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने घोषणा किया कि झारखण्ड के देवघर के अजीत सिंह रूद्रा श्रीमहंत बनेगे, इनका पटटाभिषेक झारखण्ड की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि (रोज मौसी) के मार्च में देवघर मे होने वाले कार्यक्रम में होगा। वैष्णव परंपरा की उडीसा की महामण्डलेश्वर स्वामी दिव्यांशी नंद गिरि (रक्षा) ने कंठी चेला मीरा सखी, मयूरी, श्रीसखी को बनाया है। पटटाभिषेक कार्यक्रम में किन्नर अखाड़ा के संरक्षक दुर्गादास महराज, यूपी की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरी अध्यक्ष, सचिव महामण्डलेश्वर स्वामी कन्केश्वरी नंद गिरि, झारखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि अध्यक्ष, सचिव महामण्डलेश्वर अमरजीत सचिव पंजाब की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी वामदेव, उडीसा की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी मीरा नंद गिरि, महा मण्डलेश्वर स्वामी देवांशी नंद गिरि सचिव, गुजरात की अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी गिरनारी नंद गिरि अध्यक्ष, सचिव पुन्या नंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी पूजानंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी भाविकानंद गिरि सहित किन्नर अखाडा के बडी संख्या मे संत, शिष्य शामिल हुए।

कोहरे में खड़े ट्रक से टकराया ट्रक, चालक गंभीर घायल

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के देवरिया गांव के सामने नेशनल हाईवे मार्ग पर शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टक्कर मारने वाले ट्रक का चालक कुंवर सिंह (32) निवासी उमरी, थाना रामपुर, जिला जालौन गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत थरवई पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायल चालक को 108 एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया, जहां घायल चालक का उपचार चल रहा है।घायल चालक कुंवर सिंह ने बताया की ट्रक में किराने का सामान लेकर कोलकाता जा रहा था। सुबह घने कोहरे के कारण सड़क पर दृश्यता कम थी, इसी दौरान सड़क किनारे खड़े ट्रक का अंदाजा नहीं लग सका और यह दुर्घटना हो गई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों ट्रकों को अपने कब्जे में ले लिया है।

ग्राम सचिवालय का ताला तोड़कर इनवर्टर-बैटरी व प्रिंटर चोरी

थरवई। थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव स्थित ग्राम पंचायत सचिवालय में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर इनवर्टर, बैटरी, प्रिंटर समेत अन्य कीमती सामान लाखों रुपए के समान अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। यह घटना दो दिन पूर्व की है। घटना से गांव में दहशत का माहौल है।ग्राम प्रधान सविता देवी पत्नी शिवकुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे जरूरी कार्यालयी उपकरण चोरों ने निशाना बनाए हैं। सुबह जब सचिवालय खुला तो ताले टूटे मिले और अंदर रखा सामान गायब था। चोरी की पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें चोरों की गतिविधियां स्पष्ट रूप से देखी जा रही हैं।ग्राम प्रधान ने मामले की लिखित तहरीर थरवई पुलिस को सौंप दी है।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का स्मृति दिवस को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विश्वव्यापी संस्थान ब्रह्माकुमारीज के प्रयागराज क्षेत्र के मुख्यालय सद्भावना भवन, नैनी में ब्रह्माकुमारीज के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 57वां स्मृति दिवस, विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर उपस्थित जनमानस को संबोधित करते हुए प्रयागराज की क्षेत्रीय संचालिका मनोरमा दीदी ने बताया कि 18 जनवरी 1969 को प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने संपूर्णता को प्राप्त कर अपना पुराना शरीर छोड़ा। उनका लौकिक जन्म अविभाजित भारत के सिंध प्रांत के हैदराबाद शहर में दादा खूब चंद कृपलानी, जो कि एक अध्यापक थे, उनके घर में छोटे पुत्र के रूप में हुआ। बाल्यकाल से ही दिव्य गुणों एवं दिव्य बुद्धि से परिलक्षित दादा लेखराज बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। बचपन में ही माता-पिता का साया सिर से उठ जाने के बावजूद, छोटी आयु में ही उन्होंने पहले अपने भाई के साथ और फिर खुद के व्यापार में हाथ आजमाया और भारत के प्रतिष्ठित स्वर्ण एवं हीरे की व्यापारियों में शामिल हो गए। पवित्र एवं निस्वार्थ भाव से भक्ति, दान-पुण्य में संलग्न दादा लेखराज ने अपने जीवन में बहुत संपन्नता को प्राप्त किया। 1936 में 60 साल की उम्र में निराकार परमपिता परमात्मा शिव ने उनको भावी विनाश एवं विश्वपरिवर्तन का साक्षात्कार कराया एवं उनके तन का आधार लेकर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना की। 1937 से 1950 तक कराची में तथा 1950 से 1969 तक भारत के माउंट आबू में रहकर उन्होंने विश्व सेवा के लिए परमात्मा शिव के दिए हुए गीता ज्ञान एवं सिखाए हुए राजयोग को आम जनमानस तक पहुंचाया ।प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की दिव्य पालन एवं परमात्मा शिव पर उनके संपूर्ण निश्चय एवं समर्पण का अनुगमन करते हुए आज विश्व के पांचो ही महाद्वीपों में 15 लाख से ज्यादा भाई बहनें स्व-परिवर्तन से युग परिवर्तन के मंत्र को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर उनके बताए हुए मार्ग पर चल रहे हैं।

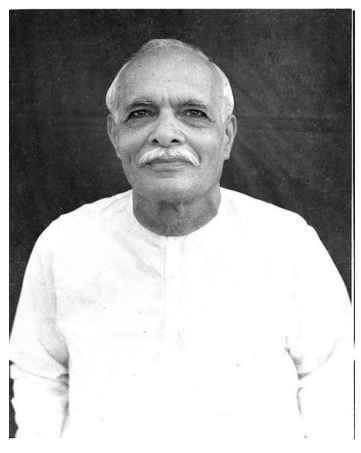

प्रदेश में नमाज पढ़ने पर 12 लोग गिरफ्तार! सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बरेली जिले के बिशारतगंज थानाक्षेत्र के मोहम्मद गंज गांव में खाली पड़े एक मकान में "बिना प्रशासनिक अनुमति" के नमाज अदा करने के आरोप में पुलिस ने 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार खाली मकान में कथित तौर पर सामूहिक नमाज पढ़ने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अंशिका वर्मा ने बताया कि खाली पड़े मकान को अस्थायी रूप से मदरसे की तरह इस्तेमाल करके कई हफ्तों से सामूहिक जुमा की नमाज अदा किए जाने की जानकारी शनिवार को सामने आयी थी और सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से 12 लोगों का शनिवार को शांति भंग की धाराओं में चालान किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को शनिवार को ही मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जमानत मिल गई। उन्होंने बताया कि वहीं, पुलिस फरार तीन आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। वर्मा ने कहा कि बिना अनुमति किसी भी प्रकार की नई धार्मिक गतिविधि या आयोजन करना कानून का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आमजन से शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में सामने आया कि उक्त खाली मकान हनीफ नामक व्यक्ति का है, जिसे अस्थायी मदरसे के रूप में उपयोग किया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने लिखित अनुमति या वैध दस्तावेज मांगे, तो कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया जा सका। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित मकान में लगातार जुमे की नमाज पढ़ी जा रही थी, जबकि इसके लिए किसी तरह की प्रशासनिक अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम गांव पहुंची और मकान के अंदर चल रही सामूहिक नमाज को रुकवाया। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें लोग खाली मकान के भीतर सामूहिक नमाज अदा करते दिखायी दे रहे हैं। पुलिस ने वीडियो को जांच में शामिल कर लिया है।

अकेले काशी ने देश की जीडीपी में 1.3 लाख करोड़ रूपये का योगदान किया है : सीएम योगी

वाराणसी **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद अब तक अकेले काशी ने देश की जीडीपी में 1.3 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है। योगी ने कहा कि गत वर्ष काशी में 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने काशी के समग्र विकास को देखा। यहां रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। आज काशी की सड़कें फोर-लेन से जुड़ गई हैं।

सीएम योगी ने कहा, काशी से ट्रेन सुविधाएं देश के विभिन्न हिस्सों के लिए बढ़ी हैं-वंदे भारत से लेकर अमृत भारत एक्सप्रेस और अन्य तमाम ट्रेनें शामिल हैं। (इनलैंड वाटरवेज) की सुविधा अगर कहीं शुरू हुई तो वाराणसी से हल्दिया के बीच ही प्रारंभ हुई। देश का पहला रोपवे प्रोजेक्ट भी वाराणसी में मूर्त रूप ले रहा है। काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े सभी स्थलों का संरक्षण करते हुए उन्हें नए कलेवर में प्रस्तुत करने का कार्य लगातार चल रहा है। उन्होंने कहा कि काशी की पहचान काशी विश्वनाथ मंदिर, अन्य पवित्र मंदिरों और मां गंगा से है। 2014 से पहले गंगा का जल आचमन तो दूर, स्नान करने लायक भी नहीं था। आज गंगा में

आचमन भी किया जा सकता है और स्नान भी।

काशी की पहचान इसके घाट हैं। हर कोई कह सकता है कि 2014 से पहले काशी के घाटों की क्या दुर्दशा थी। आज वही घाट हर भारतीय को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पुरातन वैभव के साथ आधुनिक कलेवर में स्वच्छ और सुंदर दिखाई देते हैं। देश का सबसे बड़ा घाट-नमो घाट-काशी में पूरे देश को जोड़ने का माध्यम बन गया है। योगी ने कहा ' याद कीजिए, 2014 से पहले विश्वनाथ मंदिर में मुश्किल से 50 श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर पाते थे। आज 50 हजार श्रद्धालु बड़े आराम से एक साथ आ सकते हैं। हर व्यक्ति आराम से दर्शन और अभिषेक कर सकता है।'

दबंगों ने राजधानी लखनऊ में की ताबड़तोड़ फायरिंग, इलाके में दहशत

लखनऊ **(एजेंसी)**। राजधानी के दुबग्गा इलाके में देर शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब चरक इंस्टीट्यूट क्षेत्र में ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना सामने आई। अचानक चली गोलियों की आवाज से पूरा इलाका गूंज उठा और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि 10 से 15 की संख्या में आए दबंगों ने बेखौफ होकर गोलियों की बौछार की और इसके बाद जमकर पथराव भी किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दबंग हथियारों से लैस होकर इलाके में पहुंचे और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही लोग अपने-अपने घरों में दुबक गए, वहीं सड़कों पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। फायरिंग के साथ-साथ पथराव किए जाने से कई वाहनों और आसपास की संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही दुबग्गा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेराबंदी कर शांत कराया। पुलिस ने मौके से खोखे बरामद किए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जांच में आपसी रंजिश या पुरानी दुश्मनी को घटना की वजह माना जा रहा है।

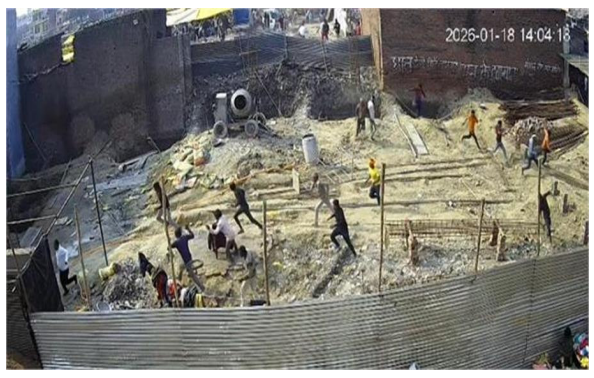

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हालात अब नियंत्रण में हैं और दोषियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की दोबारा घटना को रोका जा सके। इस ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना ने एक बार फिर राजधानी की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और वे दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

भिवंडी में पुनः एक ही दिन एक ही क्षेत्र से दो नाबालिक लड़कियां गायब होने से फैली सनसनी

भिवंडी। भिवंडी की शांतिनगर पुलिस स्टेशन की हद से एक ही दिन 16 वर्षीय दो नाबालिक लड़कियों के अपहरण का मामला सामने आया है।जो स्कूल जाने के लिए घर से बाहर गई,लेकिन रास्ते से गायब हो गई। जिसे लेकर अभिभावकों ने भय का माहौल व्याप्त है।

पुलिस के अनुसार शांतिनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत आने वाले टेमघर इलाके में रहने वाली 16 वर्षीय लड़की गायब हो गई।परिजनों ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की सुबह 8:30 बजे उनकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, परंतु वह स्कूल नहीं पहुंची, उसे रास्ते में ही किसी अज्ञात शख्स ने बहला फुसला कर उसका अपहरण कर लिया है।

इसी तरह दूसरी घटना भी उसी टेमघर स्थित भादवड़ इलाके में घटित हुई है। जहां एक 16 वर्षीय लड़की बिना कुछ कहे घर से बाहर निकली, परंतु उसके बाद उसका कहीं कुछ पता नहीं चला, घर वालों का अनुमान है कि किसी ने उसके नाबालिक होने का लाभ उठाकर उसका अपहरण कर लिया है। मां की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। दोनों ही मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस नाबालिक लड़कियों की खोज में जुटी हुई है।

मछली फ्राई के स्टॉल पर मची अफरातफरी, प्लेटें लेकर भागते नजर आए बाराती

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हापुड़ जिले में एक शादी समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया, जब खाने के दौरान मछली फ्राई के स्टॉल पर अचानक अफरातफरी मच गई। गढ़ रोड स्थित मनोहर रीजेंसी में आयोजित इस विवाह समारोह में शुक्रवार रात हापुड़ देहात क्षेत्र के एक गांव से बारात पहुंची थी। जैसे ही मछली फ्राई परोसी जाने लगी, वहां लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और हालात बेकाबू हो गए।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मेहमान प्लेटें हाथ में लेकर स्टॉल पर टूट पड़े। हर कोई मछली का एक टुकड़ा पाने की होड़ में आगे बढ़ता नजर आया। धक्का-मुक्की के बीच कुछ लोग मछली लेकर तेजी से पीछे हटते दिखे, जबकि कई लोग भीड़ में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते रहे। इस दौरान कुछ पल के लिए शादी समारोह का माहौल अव्यवस्थित हो गया।

इस अप्रत्याशित नजारे ने न सिर्फ मेहमानों बल्कि आयोजकों को भी हैरान कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। कई यूजर्स ने इसे शादी समारोह में अव्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की कमी का उदाहरण बताया, जबकि कुछ लोगों ने इसे हल्के-फुल्के मनोरंजन के रूप में लिया।

हालांकि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन यह मामला आयोजन स्थलों पर बेहतर व्यवस्था और खान-पान के दौरान भीड़ नियंत्रण की जरूरत को उजागर करता है। फिलहाल, यह वायरल वीडियो हापुड़ में हुई इस अनोखी घटना की पहचान बन चुका है।

एआर रहमान के 'काम नहीं मिल रहा' वाले बयान पर हंगामा, बीजेपी और वीएचपी ने दावे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान के बॉलीवुड में पिछले 8 सालों से कम काम मिलने के बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने हाल ही में बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें कम काम मिल रहा है और यह इंडस्ट्री में पावर शिफ्ट की वजह से हो सकता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इसमें सांप्रदायिक बात भी शामिल हो सकती है, हालांकि यह उनके सामने सीधे नहीं आया। रहमान ने कहा, 'मैं काम की तलाश में नहीं हूं। मैं चाहता हूं कि मेरे काम की ईमानदारी से काम खुद आए। मुझे लगता है कि चीजों की तलाश में जाना एक अभिशाप जैसा है।' उन्होंने बताया कि वे दक्षिण से बॉलीवुड में स्थापित होने वाले पहले संगीतकार थे और लंबे समय तक सफल रहे। लेकिन पिछले आठ सालों में स्थिति बदल गई है।

एआर रहमान ने कहा, 'अब गैर क्रिएटिव लोग फैसले ले रहे हैं और यह सांप्रदायिक बात भी हो सकती है, लेकिन मेरे सामने नहीं। मुझे चाइनीज व्हिस्पर्स (कानाफूसी) के जरिए पता चलता है कि आपको बुक किया गया था, लेकिन म्यूजिक कंपनी ने आगे बढ़कर अपने 5 कंपोजर हायर कर लिए। मैंने कहा कि अच्छा है, मुझे परिवार के साथ आराम करने का समय मिलेगा।' उन्होंने 1990 के दशक में बॉलीवुड में एंट्री के समय किसी पूर्वाग्रह का सामना नहीं करने की बात कही। रहमान ने कहा, 'शायद तब मुझे पता नहीं चला, या भगवान ने छिपा दिया। लेकिन पिछले 8 सालों में पावर शिफ्ट की वजह से शायद ऐसा हो रहा है।'

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने एआर रहमान के दावे को बिल्कुल गलत करार दिया। उन्होंने कहा, 'रहमान का यह कहना कि मुस्लिम होने की वजह से उन्हें फिल्म म्यूजिक इंडस्ट्री में सपोर्ट नहीं मिल रहा, पूरी तरह झूठ है। देश ने उन्हें नंबर वन म्यूजिक डायरेक्टर के रूप में स्वीकार किया है और सपोर्ट किया है।' उन्होंने जोर दिया कि देश के लोग कभी रहमान को धर्म की नजर से नहीं देखते। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने धर्म पर टिप्पणी की।

विश्व हिंदू परिषद ने भी एआर रहमान पर निशाना साधा। राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि ऐसा लगता है कि एआर रहमान भी उस गुट के लीडर बन गए हैं, जिसके लीडर कभी पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी थे। बंसल ने कहा, 'हामिद अंसारी ने 10 साल तक संवैधानिक पदों पर फायदा उठाया और रिटायर होने पर भारत को नीचा दिखाया। रहमान को पूरे देश और हिंदुओं ने बहुत प्यार किया। काम न मिलने की वजह खुद में ढूंढने की बजाय वे सिस्टम को बदनाम कर रहे हैं और पूरी इंडस्ट्री को बदनाम कर रहे हैं। वे क्या साबित करना चाहते हैं?' बंसल ने आगे कहा कि वे कभी हिंदू थे। उन्होंने इस्लाम क्यों कबूल किया? अब घर वापसी कर लें। शायद फिर से काम मिलना शुरू हो जाए। ऐसे छोटे-मोटे बयान राजनेता दे सकते हैं, कलाकार को नहीं शोभा देते।

सीबीआई जांच का देंगे आदेश; आतिशी के बयान के वीडियो पर दिल्ली एसेंबली स्पीकर का ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि सिख गुरुओं पर आतिशी की कथित टिप्पणी वाले वीडियो की फॉरेंसिक रिपोर्ट आ गई है जिसमें वीडियो को असली बताया गया है। विजेंद गुप्ता ने ऐलान किया कि वीडियो से कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है और इस मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया जाएगा। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि इसमें साफ नहीं है कि आतिशी ने आपत्तिजनक शब्द कहे थे या नहीं।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पंजाब में समानांतर जांच और राज्य एजेंसियों के दुरुपयोग के बारे में उठ रहे गंभीर सवाल को देखते हुए वह मामले की जांच सीबीआई से जांच कराने का आदेश देंगे ताकि सच्चाई को स्थापित किया जा सके और जवाबदेही तय की जा सके। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि आतिशी की कथित टिप्पणी से

जुड़ी वीडियो क्लिप मूल है। इससे कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की मांग पर 8 जनवरी को क्लिप फॉरेंसिक जांच के लिए भेजी गई थी। पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार ने जल्दबाजी में अपनी फॉरेंसिक जांच कराई और उसी के आधार पर मामले में प्राथमिकी भी दर्ज करा दी। आतिशी को माफी मांगनी चाहिए अन्यथा विधानसभा इस मामले को गंभीरता से लेगी। विधानसभा ने पंजाब के मुख्यमंत्री को आगाह किया है कि वह विधानसभा के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें।

वहीं आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि इस अहम सवाल का जवाब नहीं मिला कि आतिशी ने गुरु शब्द का उच्चारण किया था या नहीं। भाजपा ने इस वीडियो का इस्तेमाल धार्मिक विवाद को बढ़ावा देने के लिए किया है। भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे पहले पंजाब पुलिस ने दावा किया था कि वीडियो की फॉरेंसिक जांच में यह पाया गया था कि वीडियो से छेड़छाड़ की गई थी।

वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि छह जनवरी को विधानसभा सचिवालय का आतिशी के बयान का वीडियो 100 प्रतिशत सही है। उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि गलती स्वीकार करने के बजाय आम आदमी पार्टी ने सच्चाई को छिपाने के लिए पंजाब सरकार का तक दुरुपयोग किया है।

मणिकर्णिका घाट की 'फर्जी' तस्वीरें शेयर करने का आरोप

आप सांसद संजय सिंह और कांग्रेस के पप्पू यादव समेत 8 पर केस

लखनऊ **(एजेंसी)**। वाराणसी पुलिस ने मणिकर्णिका घाट पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों के बारे में सोशल मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित तस्वीरें, वीडियो और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने के आरोप में आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह और कांग्रेस नेता पप्पू यादव सहित आठ लोगों के खिलाफ आठ प्राथमिकी दर्ज की हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसल ने बताया कि घाट पर चल रहे सौंदर्यीकरण और श्मशान सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से संबंधित मनगढ़ंत सामग्री फैलाने के आरोप में आठ व्यक्तियों और कुछ 'एक्स हैंडल' के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। वाराणसी के चौक थाने में शनिवार को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 'आप' सांसद संजय सिंह ने पत्रकारों से कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र में मणिकर्णिका घाट को तहस नहस किया गया, मंदिरों को तोड़ा गया, काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराने वाली माता अहिल्याबाई होल्कर जी की प्रतिमा भी तोड़ी गई जिसका विरोध काशी के साधुओं ने किया, अहिल्याबाई होल्कर जी के परिवार ने किया। यहां तक कि लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन जी ने भी विरोध दर्ज कराया।

'अपवित्र कर दिया', स्वर्ण मंदिर के सरोवर में मुस्लिम शख्स के हाथ-पैर धोने और कुल्ला करने पर बवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में एक मुस्लिम युवक न पवित्र सरोवर के पानी से वुजू किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में युवक को सरोवर में पैर डुबोए, मुंह कुल्ला करते और नाक साफ करते देखा जा सकता है, जिससे कई लोगों ने इसे सरोवर को गंदा करने और सिख मर्यादा का उल्लंघन बताया। सिख समुदाय और सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने इसे पवित्र स्थल के प्रति अपमान करार दिया, क्योंकि सरोवर केवल स्नान और धार्मिक डुबकी के लिए है, जबकि वुजू के लिए अलग से बहते पानी की व्यवस्था मौजूद है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मानन ने कहा कि हिंदू और सिख समुदाय मर्यादा जानते हैं, लेकिन अन्य धर्मों के लोग कभी-कभी गलती कर बैठते हैं। एसजीपीसी ने वीडियो की जांच शुरू कर दी है और ऐसे मामलों पर पहले भी चर्चा की जा चुकी है। आरोपी युवक की पहचान दिल्ली निवासी सुभान रंगरेज के रूप में हुई, जो खुद को मुस्लिम शेर कहता है। विवाद बढ़ने के बाद उसने सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली। उसने वीडियो जारी कर कहा कि उसे स्वर्ण मंदिर की मर्यादा के बारे में जानकारी नहीं थी और न ही वहां मौजूद किसी ने उसे रोका या बताया। आरोपी ने बताया कि वह लंबे समय से स्वर्ण मंदिर घूमना चाहता था और सिख धर्म के प्रति गहरा सम्मान रखता है। एक अन्य वीडियो में उसने स्वर्ण मंदिर को भारत की एकता का प्रतीक बताया, जहां सिख, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई सब भाई-भाई की तरह रहते हैं। उसने टोपी पहनने के बावजूद किसी की ओर से आपत्ति न करने की बात कही और कहा कि वह दोबारा जाकर व्यक्तिगत रूप से माफी मांगेगा। हालांकि, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे भक्ति का प्रदर्शन बताया, लेकिन अधिकांश ने इसे अनजान होने के बावजूद गलत करार दिया।

गोवा में 2 रूसी महिलाओं की हत्या से सनसनी आरोपी ने पूछताछ में किए चौंकाने वाले दावे

पणजी **(एजेंसी)**। गोवा में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां 37 वर्षीय रूसी नागरिक एलेक्सी लियोनोव पर 2 रूसी महिलाओं की हत्या का आरोप है। पुलिस ने शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया, जब उसकी लिव-इन पार्टनर एलेना कस्थनोवा का शव उत्तर गोवा के अरंबोल में किराए के कमरे से मिला। महिला का गला रेता गया था और उसके हाथ रस्सी से पीछे बंधे हुए थे। पड़ोसियों ने चीखें सुनकर मौके पर पहुंचकर लैंडलॉर्ड को सूचना दी, जिसके बाद लियोनोव पहले मंजिल से कूदकर भागा, लेकिन पुलिस ने उसे सुबह 4 बजे हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान उसने न केवल इस हत्या को कबूल किया, बल्कि एक अन्य रूसी महिला एलेना वानीवा की हत्या का भी खुलासा किया, जिसका शव मोरजिम गांव में बरामद हुआ।

गोवा पुलिस का मानना है कि वानीवा की हत्या 14 जनवरी की रात हुई थी और दोनों हत्याओं में एक ही पैटर्न था- गला रेतना और हाथ बांधना। पूछताछ में लियोनोव ने और भी कई हत्याओं की बात कबूल की है, जिसमें गोवा के बाहर की घटनाएं भी शामिल हैं। उसने पुलिस को एक तीसरी महिला की हत्या के बारे में बताया, जो असम की 40 वर्षीय महिला है। पुलिस के अनुसार, इस महिला को नशीला पदार्थ देकर मारने का दावा किया गया है। हालांकि, आरोपी अपने बयानों में बार-बार बदलाव कर रहा है। पुलिस का कहना है कि वह नशीले पदार्थों के लंबे प्रभाव में हो सकता है। इसलिए सभी दावों की सत्यता की जांच की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में अब तक 2 रूसी महिलाओं के शव बरामद हुए हैं। तीसरे मामले की पुष्टि पोस्टमॉर्टम और सबूतों से होनी बाकी है। गोवा पुलिस ने अलग-अलग मामलों में हत्या के तहत केस दर्ज किए हैं। पेरनेम की न्यायिक मजिस्ट्रेट ने लियोनोव को दो रूसी महिलाओं की हत्या के मामले में 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जांच एजेंसी सबूत जुटा रही है, जिसमें हत्या का हथियार और अन्य फोरेंसिक डिटेल्स शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी के दावों की पुष्टि होने पर ही आगे की कार्रवाई होगी।

अथर्व तायडे ने खत्म किया 5 साल का सूखा, विजय हजारे ट्रॉफी में ऐसा करने वाले 16वें खिलाड़ी बने

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। विदर्भ के ओपनर अथर्व तायडे ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड नंबर 1 पर सौराष्ट्र के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के चल रहे फाइनल में अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सिर्फ 97 गेंदों में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को 200 रन के पार पहुंचाते हुए पांच साल का सूखा खत्म करते हुए लिस्ट ए में शतक लगाया।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए अथर्व अमन मोखाडे के साथ विदर्भ के लिए पारी की शुरुआत करने आए। इस ओपनिंग जोड़ी ने सौराष्ट्र के गेंदबाजों की शुरुआती स्विंग का सामना किया और 80 रन की ओपनिंग साझेदारी की। सौराष्ट्र को आखिरकार 18वें ओवर में सफलता मिली, जब अंकुर पवार ने अमन को क्लीन बोल्ड कर दिया, जो 33 रन बनाकर आउट हुए। अपने पार्टनर को खोने के बावजूद अथर्व ने अपना हमला जारी रखा और यह सुनिश्चित किया कि नए बल्लेबाज यश राठौड़ पर दबाव न पड़े।

ओपनिंग बल्लेबाज ने 31वें ओवर में एक सिंगल लेकर अपना शतक पूरा किया। शतक पूरा करने से पहले उन्होंने 12 चौके और दो छक्के लगाए। यह अथर्व का पांच साल में पहला लिस्ट ए शतक है। वह विजय हजारे ट्रॉफी फाइनल में तिहरे अंक तक पहुंचने वाले सिर्फ 16वें बल्लेबाज हैं। अथर्व आखिरकार 36वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए जब उन्होंने अंकुर पवार की एक शानदार यॉर्कर को प्रेरक मांकड़ के हाथों में खेल दिया। उन्होंने 118 गेंदों में 128 रन बनाए। अथर्व ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और तीन छक्के भी लगाए।

अथर्व ने मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को आगे ले जाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 62 (72) रन की धैर्यपूर्ण पारी खेलकर विदर्भ को 300 रन तक पहुंचाने में मदद की। उन्होंने जनवरी में इससे पहले असम के खिलाफ 80 और बड़ौदा के खिलाफ 65 रन भी बनाए थे। अथर्व ने 42 लिस्ट ए मैच खेले हैं और 35.25 की औसत से तीन शतक और 6 अर्धशतक लगाए हैं। दोनों टीमें कड़े मैचों के बाद फाइनल में पहुंची हैं।

शुभमन गिल आए चर्चा में, 3 लाख का वाटर प्यूरीफायर साथ लेकर पहुंचे इंदौर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर मैदान के बाहर लिए गए अपने फैसले को लेकर सुर्खियों में हैं। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे मैच से पहले इंदौर पहुंचे गिल ने अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए एक असामान्य लेकिन सतर्क कदम उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपने होटल रूम में इस्तेमाल के लिए करीब तीन लाख रुपए कीमत का वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम मंगवाया है। यह फैसला ऐसे समय पर सामने आया है, जब इंदौर एक गंभीर जल-जनित स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है।

आमतौर पर भारतीय क्रिकेट टीम जब किसी शहर में दौरे पर जाती है, तो खिलाड़ियों को देश के सबसे सुरक्षित और हाई-एंड होटलों में ठहराया जाता है। इन होटलों में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर समेत सभी स्वास्थ्य मानकों का ध्यान रखा जाता है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि शुभमन गिल ने अतिरिक्त एहतियात बरतते हुए खुद का वाटर प्यूरीफायर लगवाने का फैसला किया। सूत्रों के अनुसार कप्तान किसी भी तरह का स्वास्थ्य जोखिम नहीं उठाना चाहते थे, खासकर ऐसे शहर में जहां हाल ही में दूषित पानी से बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े हैं।

दिसंबर 2025 के अंत और जनवरी 2026 की शुरुआत में इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में पानी से जुड़ा एक बड़ा संकट सामने आया। जांच में पता चला कि सीवेज का दूषित पानी पीने की सप्लाई में मिल गया था, जिससे शहर में तेज़ी से बीमारी फैलने लगी। इस घटना में अब तक कम से कम 23 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 1, 400 से अधिक लोग इससे प्रभावित बताए जा रहे हैं। सैकड़ों मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भी भारी दबाव पड़ा। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि नर्मदा जल आपूर्ति की एक पाइपलाइन में रिसाव हो गया था। यह टूटी हुई पाइपलाइन सीवेज लाइन और सार्वजनिक शौचालय के बेहद करीब से गुजर रही थी। इसी वजह से गंदा पानी पीने की सप्लाई में मिल गया। कई इलाकों में लोगों ने पहले बदबूदार और रंग बदले हुए पानी की शिकायत की थी, लेकिन स्थिति की गंभीरता तब समझ आई जब अचानक दस्त, उल्टी और डिहाइड्रेशन के मामले तेजी से बढ़ने लगे।

शुरुआत में प्रशासन ने दूषित पानी से जुड़ी कुछ ही मौतों की पुष्टि की थी, लेकिन बाद की जांच में मृतकों की संख्या ज्यादा सामने आई। प्रभावित इलाकों में जल आपूर्ति बंद कर वैकल्पिक व्यवस्था की गई और पाइपलाइन की मरम्मत शुरू की गई।स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर सर्वे कर रही हैं और प्रभावित लोगों का इलाज जारी है।

अंडर-19 विश्व कप : विरान चामुदिथा ने रचा इतिहास, श्रीलंका की जापान पर रिकॉर्ड तोड़ जीत

विंडहोक (नामीबिया) **(एजेंसी)**। श्रीलंका ने नामीबिया में जापान के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में ग्रुप ए में टॉप पर जगह बना ली है। यह मैच कई वजहों से काफी रोमांचक था जिसमें श्रीलंका की टीम की गहराई पूरी तरह से दिखी जिसमें बैटिंग ऑर्डर में टॉप पर क्लास और कई बेहतरीन बॉलिंग ऑप्शन देखने को मिले। जापान के खिलाफ 203 रनों की जीत ने एक मजबूत नींव रखी है।

अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी पार्टनरशिप (328 रन) में ओपनर दिमांता महाविथाना (125 गेंदों में 115 रन) और विरान चामुदिथा (143 गेंदों में 192 रन) ने नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की। चामुदिथा का व्यक्तिगत स्कोर अंडर-19 विश्व कप में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर था। कप्तान विमथ दिंसारा ने मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों की तारीफ की और उनके फॉर्म का श्रेय दिया।

आईसीसी वेबसाइट के अनुसार दिंसारा ने कहा, 'हां, वे बहुत अच्छी बैटिंग कर रहे हैं, हमारी शुरुआत अच्छी रही।' अपनी टीम के 387/4 रन बनाने के बाद उन्होंने जापान को सिर्फ 184/8 पर रोक दिया जिसमें 8 अलग-अलग गेंदबाजों का इस्तेमाल किया गया, ये मौके शायद तब काम आएंगे जब टीम टूर्नामेंट में और आगे बढ़ेगी।

दिंसारा ने आगे कहा, '(किसे और कब बॉलिंग करानी है, यह तय करना) मुश्किल नहीं है, मेरी टीम में बहुत सारे गेंदबाज हैं, और इतने सारे ऑप्शन होना मेरे लिए (खुशी की बात) है। हां, मैं (जीत से) बहुत खुश हूं, क्योंकि यह टूर्नामेंट का हमारा पहला मैच है। हमारी टीम अच्छी है, और मैं अपनी टीम से बहुत खुश हूं।' श्रीलंका अब सुपर सिक्स फेज के लिए क्वालिफाई करने की कगार पर है, लेकिन सोमवार को नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर आयरलैंड से मिलने पर उनके पास अपने दावे को और मजबूत करने का मौका है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : अलेक्जेंडर ज्वेरेव की दमदार वापसी, धीमी शुरुआत के बाद दूसरे राउंड में एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तीसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज़्वेरेव ने धीमी शुरुआत के बावजूद ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बना ली है। रविवार को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेले गए मुकाबले में ज़्वेरेव ने कनाडा के गैब्रियल डियालो को चार सेटों में 6-7 (1), 6-1, 6-4, 6-2 से हराया। यह मुकाबला गर्म मौसम में दो घंटे 43 मिनट तक चला।

मैच की शुरुआत ज़्वेरेव के लिए आसान नहीं रही। पहले सेट के टाईब्रेक में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और वह सेट गंवा बैठे, जिससे थोड़ी घबराहट भी नजर आई। हालांकि इसके बाद जर्मन खिलाड़ी ने शानदार वापसी की और अपने ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया।

पिछले साल मेलबर्न पार्क में फाइनल तक पहुंचने वाले ज़्वेरेव ने मैच के बाद कहा कि पहला सेट उनका सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, कोर्ट पर उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। उन्होंने कहा कि वह अपने खेल के स्तर से संतुष्ट हैं और लय में लौटकर अच्छा महसूस कर रहे हैं। तीन बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट ज़्वेरेव अब अगले दौर में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपीरिन या फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे। खिताब की तलाश में जुटे ज़्वेरेव के लिए यह जीत टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

वाहन निर्यात में भारत का नयाींम्दे्, 24 प्रतिशत की जबरदस्त ग्रोथ के साथ 63 लाख गाड़ियां विदेश भेजीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेशी बाजारों में कारों, दोपहिया वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों की मजबूत मांग के चलते 2025 में भारत से ऑटोमोबाइल निर्यात में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुल निर्यात पिछले वर्ष 63, 25, 211 यूनिट तक पहुंच गया, जबकि 2024 कैलेंडर वर्ष में यह 50, 98, 474 यूनिट था, जो 24.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यात्री वाहनों का निर्यात 8, 63, 233 यूनिट तक पहुंच गया, जो 2024 के 7, 43, 979 यूनिट की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष यूटिलिटी वाहनों की डिलीवरी में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 4, 27, 219 यूनिट रही, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 3, 23, 624 यूनिट था। पैसेंजर कारों की डिलीवरी में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 2025 में यह आंकड़ा 4, 25, 396 यूनिट रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 4, 12, 148 यूनिट था।

एसआईएएम ने बताया कि मध्य पूर्व, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित अधिकांश बाजारों में मांग स्थिर बनी हुई है। मारुति सुजुकी ने 2025 में 3.95 लाख यूनिट्स की डिलीवरी के साथ बाजार में अग्रणी स्थान हासिल किया, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 3.26 लाख यूनिट्स था। कार निर्माता ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2026 के लिए 4 लाख यूनिट्स के निर्यात के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (कॉर्पोरेट अफेयर्स) राहुल भारती ने कहा कि आज भारत से होने वाले सभी यात्री वाहन निर्यात में मारुति सुजुकी का योगदान 46 प्रतिशत है और वैश्विक व्यापार में भी हमारी बड़ी हिस्सेदारी होने के सभी कारण मौजूद हैं। दोपहिया वाहनों का निर्यात 2024 के 39, 77, 162 यूनिट्स की तुलना में 24 प्रतिशत बढ़कर 49, 39, 706 यूनिट्स रहा। मोटरसाइकिलों का निर्यात 27 प्रतिशत बढ़कर 43, 01, 927 यूनिट्स हो गया, जबकि स्कूटरों का निर्यात 8 प्रतिशत बढ़कर 2025 में 6, 20, 241 यूनिट्स हो गया।

आईडीबीआई बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 1, 935 करोड़ रुपए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईडीबीआई बैंक का दिसंबर 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ लगभग स्थिर रहा। बैंक ने शनिवार को बताया कि इस दौरान उसने 1, 935 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है और पिछले साल की समान अवधि में 1, 908 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, आलोच्य तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 8, 282 करोड़ रुपए रह गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 8, 565 करोड़ रुपए थी। वहीं, बैंक की ब्याज आय भी पिछले साल के 7, 816 करोड़ रुपए से कम होकर 7, 074 करोड़ रुपए पर आ गई। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया।

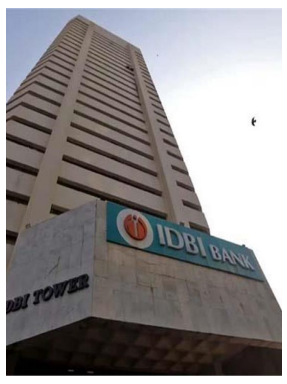

आलोच्य अवधि के दौरान बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात सुधरकर 2.57 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.57 प्रतिशत था। हालांकि, शुद्ध एनपीए 0.18 प्रतिशत के स्तर पर स्थिर रहा। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात दिसंबर 2024 के 21.98 प्रतिशत से सुधरकर 24.63 प्रतिशत हो गया है। दूसरी ओर बैंक की परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) में मामूली कमी देखी गई और यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में घटकर 1.83 प्रतिशत रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 1.99 प्रतिशत था।

केंद्रीय बजट 2026 : सरहद की सुरक्षा से आगे, वैश्विक महाशक्ति बनने की तैयारी, डिफेंस बजट में 20 प्रतिशत की होगी बढ़ोतरी?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मोदी सरकार ने बार-बार साफ किया है कि इसे केवल स्थगित किया गया है, समाप्त नहीं किया गया है। इस ऑपरेशन में ड्रोन और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का व्यापक उपयोग देखा गया, जिससे पता चलता है कि आधुनिक युद्ध पिछले कुछ वर्षों में किस प्रकार विकसित हुआ है। भारत के इस पूरे अभियान की राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व दोनों ने तीनों सेनाओं के बीच तालमेल के लिए सराहना की, और इसका एकमात्र उद्देश्य स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्यों को प्राप्त करना और इस्लामाबाद और उसके नेतृत्व को आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली का कड़ा संदेश देना था। हालांकि भारतीय सेना को पाकिस्तानी सेना पर स्पष्ट बढ़त हासिल थी, लेकिन इसने एक बार फिर एक पहलू पर ध्यान केंद्रित किया हैः भारतीय सशस्त्र बलों का और अधिक आधुनिकीकरण करना।

परंपरागत युद्ध मुख्य रूप से टैंक, तोपखाने और पैदल सेना के बल पर लड़े जाते थे, और इनमें स्पष्ट अग्रिम मोर्चे होती थीं। हालांकि, आज के युद्ध में ड्रोन, यूएवी, लोइटरिंग मुनिशन्स आदि का उपयोग होता है, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया था। इसके अलावा, भारतीय सशस्त्र बल अभी भी 30 से 40 साल पुराने उपकरणों का उपयोग करते हैं, जिन्हें अप्रचलित माना जा सकता है या जल्द ही अप्रचलित हो सकते हैं। इसे देखते हुए, रक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष के बजट में अपने लिए 20 प्रतिशत की वृद्धि की मांग की है।

आम तौर पर भारत में रक्षा बजट में हर साल 9 से 10 प्रतिशत की वृद्धि करने का चलन रहा है। लेकिन पिछले साल नवंबर में नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसी) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए रक्षा मंत्रालय वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा बजट में 20 प्रतिशत की वृद्धि की मांग करेगा। रक्षा सचिव ने कहा था मुझे वित्त मंत्रालय से इस तरह का आवंटन (20 प्रतिशत अधिक) प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं दिखती। रक्षा क्षेत्र में देश के बढ़ते और विविध औद्योगिक आधार को देखते हुए, हमारे पास उन अतिरिक्त संसाधनों का उपयोग करने की पर्याप्त क्षमता है जिनकी हम मांग कर रहे हैं।

इस बात में शायद ही कोई संदेह है कि सशस्त्र बलों की बढ़ती मांग और पड़ोसी देशों की मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए भारत को रक्षा क्षेत्र में अधिक धनराशि आवंटित करने की आवश्यकता है। लेकिन विश्लेषकों और विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को पहले इस व्यय को वहन करने की क्षमता विकसित करनी होगी।

यूको बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 740 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का शुद्ध लाभ दिसंबर 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़कर 740 करोड़ रुपए हो गया। मुख्य आय में वृद्धि और गैर-निष्पादित आस्तियों में कमी से बैंक के मुनाफे को बल मिला है। कोलकाता मुख्यालय वाले बैंक ने शनिवार को बताया कि उसने पिछले साल की समान अवधि में 639 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, आलोच्य तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 7, 521 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 7, 406 करोड़ रुपए थी। वहीं, बैंक की ब्याज आय भी पिछले साल के 6, 220 करोड़ रुपए से बढ़कर 6, 652 करोड़ रुपए पर आ गई।

आलोच्य तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 11.27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2, 646 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2, 378 करोड़ रुपए थी। इस दौरान बैंक का परिचालन लाभ भी 5.93 प्रतिशत बढ़कर 1, 680 करोड़ रुपए हो गया। आलोच्य अवधि के दौरान बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) का अनुपात घटकर 2.41 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 2.91 प्रतिशत था। इसी तरह, शुद्ध एनपीए भी 0.63 प्रतिशत से कम होकर 0.36 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात दिसंबर 2024 के 16.25 प्रतिशत के मुकाबले सुधरकर 17.43 प्रतिशत हो गया है।

जेनी किम : पॉप कल्चर की 'कॉन्फिडेंस क्वीन' जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं

अगर संगीत की दुनिया में सफलता को आत्मविश्वास से मापा जाए, तो 30 वर्षीय जेनी किम का ग्राफ आज 'ऑल-टाइम हाई' पर है। एक ऐसी इंडस्ट्री में जहाँ अक्सर कलाकारों को साँचों में ढलने के लिए मजबूर किया जाता है, जेनी ने अपनी शर्तों पर अपनी कहानी लिखकर सबको चौंका दिया है। जेनी का सोलो सफर कभी यह साबित करने के लिए नहीं था कि वह ब्लैकपिंक के बिना क्या कर सकती हैं, क्योंकि 2018 में उनके पहले ही हिट सोलो ने इसे दुनिया के सामने साबित कर दिया था। अब वह जो कर रही हैं, वह उससे कहीं बड़ा है। वह यह फिर से लिख रही हैं कि सोलो सफलता कैसी दिखती है जब कलाकार अपने साउंड, इमेज, कहानी और टाइमिंग पर पूरी तरह से कंट्रोल रखता है।

सेफ्टी नेट के बजाय एक स्टेटमेंट के तौर पर रिलीज़ हुआ, रूबी जेनी का एक सोलो कलाकार के तौर पर अब तक का सबसे निर्णायक कदम था। एल्बम ने ग्लोबल चार्ट्स पर ज़बरदस्त शुरुआत की, हफ्तों के अंदर लाखों स्ट्रीम्स हासिल किए, और एक पॉप कलाकार के तौर पर अपनी जगह पक्की की।

खास तौर पर, रूबी अपनी एकजुटता के लिए अलग था। साउंड के मामले में कॉन्फिडेंट, लिरिक्स में सीधा और भावनाओं में साफ, एल्बम ने आज़ादी, महत्वाकांक्षा, इच्छा और अलगाव जैसे विषयों पर ज़ोर दिया। इसमें बहुत कम आत्म-संदेह था। यह जेनी थीं, जो अपनी आवाज़, अपने फैसलों और अपनी टाइमिंग को पूरी तरह से अपना रही थीं। अवॉर्ड्स स्वाभाविक रूप से मिले।

जेनी, मंत्रा, यू एंड मी, वन ऑफ द गर्ल्स और उनके हालिया सोलो रिलीज़ जैसे ट्रैक के साथ, जेनी की सॉन्ग राइटिंग स्लीक पॉप कॉन्फिडेंस से हटकर कुछ ज़्यादा सटीक और पर्सनल हो गई है। उनके लिरिक्स में तेज़ी से एक जानलेवा स्पष्टता आ रही है। पूरे एल्बम में, वह सुनने वालों को यह याद दिलाने के लिए तीखे, लगभग नज़रअंदाज़ करने वाले लिरिक्स का इस्तेमाल करती हैं कि राय से बिल नहीं भरे जाते, स्ट्रीम्स से भरे जाते हैं। परेशान न होने, शोर से आगे बढ़ने और जानबूझकर अछूत रहने के बारे में लाइनें पलटवार से ज़्यादा निष्कर्ष की तरह काम करती हैं।

उनका एल्बम एक गर्ल एंथम हैंडबुक के तौर पर भी काम करता है। 'क्या मेरी, क्या मेरी लेडीज़ इसे चलाती हैं, लेडीज़ इसे चलाती हैं?' वह अपने गाने एक्स्ट्राएल में लगभग बिना मतलब के पूछती हैं। जेनी के लिरिक्स एक खास फेमिनिन कॉन्फिडेंस को दिखाते हैंः खुद को चुनना, बिना किसी अपराधबोध के इच्छाओं का आनंद लेना, बिना किसी निष्कर्ष के दूर चले जाना, और यह जानना कि कब चुप्पी ज़्यादा कहती है।

'मेरी छोटी नूप्स अब पराई हो गई', बहन नूपुर की शादी के बाद कृति सेनन का भावुक पोस्ट, याद किए बचपन के दिन

सेनन परिवार में इन दिनों खुशियों और भावनाओं का संगम देखने को मिल रहा है। कृति सेनन की छोटी बहन नूपुर सेनन हाल ही में शादी के बंधन में बंध गई हैं। अभिनेत्री और गायिका नूपुर सेनन की शादी के भव्य समारोह के बाद, उनकी बड़ी बहन और बॉलीवुड सुपरस्टार कृति सेनन ने अपनी छोटी बहन के लिए एक बेहद इमोशनल मैसेज शेयर किया है। कृति ने इंस्टाग्राम पर शादी की कुछ अनदेखी तस्वीरों के साथ अपने दिल की बात लिखी। कृति के इस पोस्ट पर वरुण धवन, श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट जैसे सितारों ने कमेंट कर नूपुर को बधाई दी और कृति को ढांढस बंधाया। फैंस ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बहनों का प्यार सबसे शुद्ध होता है।'

कृति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया। इसकी शुरुआत उनकी और नूपुर की एक तस्वीर से हुई और इसके बाद शादी और अन्य समारोहों की झलकियां साझा की गईं। कृति ने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे मन की भावनाओं को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है... अभी तक यकीन नहीं हो रहा है... उन्होंने लिखा, "मेरी प्यारी बच्ची की शादी हो गई! जब मैं पांच साल की थी तब पहली बार तुम्हें अपनी बाहों में लेने से लेकर अब तुम्हारी चादर थामकर तुम्हें अब तक की सबसे खूबसूरत दुल्हन के रूप में सजी-धजी देखकर मेरा दिल खुशी से भर गया है। तुम्हें इतना खुश, प्यार में डूबा हुआ और अपने जीवन का अगला और सबसे खूबसूरत अध्याय शुरू करते हुए देखकर मेरा दिल भर आया है, तुम्हें वो सबसे अच्छा जीवनसाथी मिला है जिसकी हम कामना कर सकते थे।

कृति ने पोस्ट में लिखा, "स्टेबिन तुम पिछले पांच साल से भी ज्यादा समय से हमारे परिवार का हिस्सा हो और हर गुजरते साल के साथ हमारा रिश्ता और मजबूत होता गया है। स्टेबू, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं और मुझे पता है कि मुझे एक भाई और एक ऐसा दोस्त मिला है जो हमेशा मेरे साथ रहेगा। तुम दोनों को शादी के बंधन में बंधते और वचन लेते हुए देखना मेरी जिंदगी के सबसे भावुक और खूबसूरत पलों में से एक रहा है! कितनी अनमोल यादें हैं। तुम दोनों को जीवन भर खुशियां और प्यार मिले, यही मेरी कामना है।" कृति ने कहा, "नूपुर मेरी जान है और मुझे पता है कि वह आपकी भी जान है... जीवन भर के लिए! मैं उसे कभी भी किसी और को नहीं सौंपने वाली, इसलिए सेनन परिवार में आपका स्वागत है। नूपुर और स्टेबिन 2023 से एक साथ हैं, लेकिन कई कार्यक्रमों में एक साथ देखे जाने के बावजूद उन्होंने कभी भी सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की। दोनों ने तीन जनवरी को सगाई की थी।

दिल्ली क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी सफलता, पकड़ा गया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का वांटेड शूटर

नई दिल्ली। पुलिस ने बताया कि दिल्ली क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) ने राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक वांछित शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू (23) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा का निवासी है। उसे 16 जनवरी, 2026 को प्राप्त विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर दिल्ली के उत्तम नगर से पकड़ा गया। पूछताछ के बाद उसे आगे की जांच के लिए राजस्थान पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, शर्मा राजस्थान के गंगानगर जिले में दर्ज कई मामलों में वांछित था। मार्च 2025 में, गिरोह ने कथित तौर पर एक व्यवसायी से 4 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं दिया गया, तो शर्मा को व्यवसायी के घर पर गोली चलाने का काम सौंपा गया था।

मई 2025 में शर्मा और उसके साथियों ने कथित तौर पर व्यवसायी के आवास पर गोलीबारी की, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि

जमानत पर रिहा होने के बाद भी वह गिरोह से जुड़ा रहा और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को अवैध हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति करने लगा। राजस्थान पुलिस ने हाल ही में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है, और पुलिस ने बताया कि शर्मा उर्फ गोलू को उन हथियारों का स्रोत बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तम नगर में छापेमारी के दौरान दिल्ली क्राइम ब्रांच ने यह गिरफ्तारी की। पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सक्रिय सदस्य था और राजस्थान में गिरोह के लिए काम कर रहा था। इसी बीच, एक अलग घटनाक्रम में, पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पंजाब पुलिस के डीजीपी के अनुसार, लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी ब्रार से जुड़े एक जबरन वसूली गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

तीन सप्ताह तक चले एक सुनियोजित अभियान में, पुलिस ने 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया और दो ऑस्ट्रियन ग्लॉक पिस्तौल सहित विदेशी निर्मित पिस्तौलें और 10 अन्य अत्याधुनिक हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सदस्य अवैध हथियार तस्करी, जबरन वसूली और सुनियोजित हत्याओं में शामिल थे, जिनका उद्देश्य पूरे राज्य में अराजकता फैलाना था। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और शेष सहयोगियों को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

नोएडा । नोएडा थाना ईकोटेक-तीन पुलिस ने शनिवार रात एक मुठभेड़ के बाद तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जो राहगीरों को कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करते थे। यह जानकारी पुलिस ने दी।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ पूर्व में कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना ईकोटेक-तीन पुलिस बीती रात को कच्ची सड़क के पास बैरियर लगाकर जांच कर रही थी, तभी एक कार में कुछ लोग आते दिखे। उन्होंने बताया कि संदेह होने पर पुलिस ने कार को रुकने का इशारा किया लेकिन कार सवार रुकने की बजाए वहां से भागने लगे।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार का पीछा करके उन्हें घेर लिया और बदमाशों ने पुलिस दल पर गोली चला दी। उन्होंने बताया की उसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलायी।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली जियाउल्लह पुत्र अनीसुर्रहमान, निवासी जिला मोतीहारी, बिहार, और अमन गुप्ता, पुत्र प्रदीप कुमार, निवासी जनपद एटा के पैर में लगी। उन्होंने बताया कि इनका एक साथी नसीम अली उर्फ रियाज, पुत्र साबिर अली मौके से भाग गया और पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने इन बदमाशों के पास से एक कार, तीन तमंचे, कारतूस, लूटी हुई रकम में से छह हजार 500 रुपये नगद, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को पूछताछ के दौरान पता चला कि ये लोग राहगीरों को सवारी के रूप में अपनी कार में बैठाते थे और उनसे मारपीट करके उनके मोबाइल, नगदी आदि लूट लेते थे। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने लूटपाट की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

नीलगिरि जिले में निर्माण स्थल पर पश्चिम बंगाल के तीन मजदूरों की मौत

तमिलनाडु के नीलगिरि जिले में शनिवार को निर्माण कार्य के दौरान रेत का ढेर और एक दीवार के ढहने से तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, जेगथाला टाउन पंचायत क्षेत्र में स्थित एक आवासीय परिसर में निर्माण कार्य के लिए जमीन की खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ और

रेत का ढेर मजदूरों पर गिर पड़ा। घटनास्थल पर मौजूद अन्य मजदूरों और स्थानीय लोगों ने पुलिस तथा अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मियों को सूचना दी। राहत एवं बचाव दल ने तीनों मजदूरों को रेत के ढेर से बाहर निकाला और उन्हें पास के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की उम्र 22 से 36 वर्ष के बीच बताई गई है और उनकी पहचान अब्दुल रहमान, नसीर और उस्मान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

आतिशी विवाद की सीबीआई जांच! बांसुरी बोलीं- पंजाब पुलिस को जांच का अधिकार नहीं

नई दिल्ली। आतिशी मारलेना के द्वारा कथित तौर पर सिख गुरु के अपमान के मामले पर भाजपा आक्रामक तेवर अपनाए हुए है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस विवाद की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई से कराने पर भी विचार किया जा सकता है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा है कि आतिशी मारलेना ने दिल्ली विधानसभा के अंदर सिख गुरु का अपमान किया है। विधानसभा के अंदर का मामला होने के कारण केवल विधानसभा स्पीकर को ही इस मामले की जांच कराने और कार्रवाई करने का अधिकार है। उन्होंने इस मामले की पंजाब पुलिस द्वारा जांच करने को पूरी तरह गैरवाजिब बताया।

इस मामले में दो फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने आई हैं। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा कराई गई जांच में यह साफ हुआ है कि वीडियो से कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। विधानसभा की कार्रवाई के वर्बेटम में भी यह साफ हुआ है कि आतिशी मारलेना ने सदन के पटल पर कुछ आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग किया है जिसको लेकर पूरा विवाद मचा हुआ है। लेकिन आम आदमी पार्टी का कहना है कि पंजाब पुलिस के

द्वारा कराई गई जांच में पाया गया है कि वीडियो से छेड़छाड़ की गई है।

पंजाब पुलिस अपनी सीमा का कर रही अतिक्रमण- बांसुरी स्वराज

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने रविवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि आतिशी मारलेना ने सिख गुरुओं के बारे में दिल्ली विधानसभा के अंदर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। संविधान के अनुसार, ऐसा कोई विवाद सामने आने पर केवल विधानसभा के स्पीकर को ही कार्रवाई करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो मामला दायर किया गया है, उसमें दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा को नहीं, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को दोषी आरोपी बनाया गया है।

केजरीवाल और भगवंत मान भी दोषी- योगेंद्र चंदोलिया

भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि सिख गुरु का अपमान करने के मामले में जितना दोषी आतिशी मारलेना हैं, उतने ही दोषी अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान हैं। चंदोलिया ने आरोप लगाया कि केजरीवाल और भगवंत मान आतिशी को बचाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं और पंजाब पुलिस का दुरुपयोग कर रहे हैं, इसलिए सिख गुरुओं के अपमान पर उनका अपराध भी सिख समाज कभी माफ नहीं करेगा। आतिशी मारलेना की मीडिया से दूरी बनाने पर योगेंद्र चंदोलिया ने सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें अपराध करके छिपना नहीं चाहिए। बल्कि सामने आकर अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए। चंदोलिया ने कहा कि पंजाब पुलिस ने कुछ ही घंटे में इस मामले की एफआईआर दर्ज कर रिपोर्ट भी दे दी। यह उनकी नीयत पर सवाल खड़े करता है।

सबसे बड़ा क्रिमिनल, ट्रंप पर फूट पड़ा खामनेई का गुस्सा

तेहरान। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामिनई ने हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले मानवाधिकार समूहों ने कहा था कि सुरक्षा बलों की हिंसक कारवाही में हजारों लोगों की जान गई है। खामिनई ने कहा कि ईरान को अमेरिका निगलना चाहता है और यह अमेरिकी साजिश थी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को दंगाइयों की कमर तोड़ देनी चाहिए। खामिनई ने एक धार्मिक छुट्टी के मौके पर समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम देश को युद्ध की ओर नहीं ले जाना चाहते लेकिन हम अपने घरेलू अपराधियों को नहीं बखशेंगे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अपराधियों को भी सजा से नहीं बख्शा जाएगा। ईरानी राष्ट्र को दंगाइयों की कमर तोड़ देनी चाहिए। ठीक वैसे ही जैसे उसने पहले भी विद्रोह की कमर तोड़ी थी। ईरान में हफ्तों से विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। यह प्रदर्शन 28 दिसंबर को आर्थिक मुश्किलों को लेकर शुरू हुए थे और बाद में बड़े प्रदर्शनों में बदल गए। इसमें इस्लामिक रिपब्लिक में मौलवी शासन खत्म करने की मांग की गई थी।

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर बवाल, शंकराचार्य ने स्नान से किया इनकार, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थकों से मारपीट के आरोप

प्रयागराज। प्रयागराज के माघ मेले में आज मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम नोज पर बवाल मच गया। श्रद्धालुओं की अत्याधिक भीड़ होने की वजह से प्रशासन ने ज्योति पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वर सरस्वती के जुलूस को रोक दिया। पुलिस ने मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन होने का हवाला देते हुए शंकराचार्य को संगम तट पर जाने से रोका था, लेकिन इसके बाद समर्थकों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हो गई। इससे मेला क्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। देखते ही देखते बवाल इतना बढ़ गया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्नान से ही इनकार कर दिया। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से समर्थकों को धक्का देकर पीछे हटाया। इस कार्रवाई से संतों में भारी रोष व्याप्त हो गया।

प्रयागराज में जारी माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या पर सुबह आठ बजे तक 1.3 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात 12 बजे से ही स्नान करने के लिए लोगों का गंगा और

संगम क्षेत्र में आना जारी है। इससे पूर्व, मकर संक्रांति के अवसर पर 1.03 करोड़ जबकि एकादशी पर लगभग 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं को सही रास्ता दिखाने के लिए मेला प्रशासन ने खंभों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए हैं और नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवक भी श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बतया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में लगाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय बनाए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं।

उन्होंने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक लोगों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बनाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। उन्होंने कहा किभीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन खड़े हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

ट्रंप के इशारे पर पाकिस्तान ने ईरान में भड़काई हिंसा? भयंकर बदला लेंगे खामनेई

तेहरान। ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों के पीछे विदेशी शक्तियों की साजिश है। इसका शक तो खामनेई की एजेंसियों को पहले से ही था। लेकिन अब सबूत साफ मिल चुके हैं। ईरान को बस इसी सबूत की जरूरत थी। यह हथियार ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ प्रदर्शनकारियों जब्त किए जो साफ बताते हैं कि यह पाकिस्तानी मेड है। ईरानी एजेंसियों का दावा है कि पाकिस्तान ने न सिर्फ हिंसा भड़काने के लिए हथियार भेजे बल्कि इसके लिए ट्रेंड लोगों को भी प्रदर्शनकारियों की भीड़ में भेजा। यह सुनकर आप चौंक रहे होंगे कि आखिर एक मुस्लिम देश के संकट से पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथी जनरल मुनीर खुश क्यों होगा? अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जिन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई फूटी आंख नहीं सुहाते। ईरान 22 दिनों से जारी प्रदर्शन के हिंसक दौर से गुजर रहा है। और ऐसे में कुछ सुराग ऐसे मिले हैं जिससे यह पता चलता है कि प्रदर्शनकारियों को पाकिस्तान में ट्रेनिंग और ब्लाइंड सपोर्ट दिया गया। ईरान में हिंसा के पीछे मुनीर का स्लीपर सेल, प्रोटेस्टर्स के पास कहां से आए ग्रेनेड?

ईरानी अधिकारी प्रदर्शन की शुरुआत से ही यह कहते आ रहे हैं कि इसमें बाहरी ताकतों का हाथ है। इसमें अमेरिका और इजराइल की बड़ी भूमिका है। लेकिन अब सामने आ चुका है कि मुनीर की गुप्त सेना का हाथ इसमें है। गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों के पास से सैन्य हैंड ग्रेनेड मिले हैं। सुराग नंबर दो, हिंसा का पैटर्न बांग्लादेश की तरह है। ईरानी मीडिया में प्रदर्शनकारियों की ट्रेनिंग पाकिस्तान में होने की बात सामने आई है। ईरान में इंटरनेट बंद है। फिर भी प्रदर्शनकारियों के बीच में मैसेजेस सर्कुलेट हो रहे हैं। अस्पतालों में आग, नर्सेज और डॉक्टर्स पर अटैक, बैंकों पर हमले, हिंसा भड़काने की साजिश है।

इन्हीं सुरागों पर ईरानी एजेंसियां अब कंफर्म है कि मुनीर ने बेहद गुप्त तरीके से पाकिस्तान में ट्रेन कुछ लोगों को ईरान भेजा और आम लोगों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बीच में घुसकर हिंसा भड़काने की साजिश रची। इसके पीछे पाकिस्तान और अमेरिका का सीधा-सीधा हाथ है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह बताया जा रहा है कि ईरान में संकट बढ़ाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और आसिम मुनीर के बीच में एक सीक्रेट डील हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप के आदेश पर मुनीर ने हाफिज सईद के आतंकियों को दो नए टारगेट्स दिए थे। इनमें पहला टारगेट ईरान था। इसके तहत ईरान के सर्वोच्च नेता खामनई की हत्या का प्लान है। उनके लिए अमेरिका ने 12 जनवरी को कराची में अपना जहाज भेजा। इस जहाज में ऑटोमेटिक हथियार भरे थे। 13 जनवरी को मुनीर ने ईरान बॉर्डर पर 3000 सैनिक तैनात किए और फिर 14 जनवरी को ईरान पाकिस्तान बॉर्डर से हथियारबंद संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई।

ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप से भिड़ा अमेरिका, मेलोनी ने निकाल दी ट्रंप की हेकड़ी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्ज मेलोनी का जिन्होंने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिका को साफ-साफ दो टूक संदेश दिया है। मेलोनी ने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं का समाधान नाटो के भीतर ही किया जाना चाहिए। दरअसल जॉर्जिया मेलोनी इन दिनों जापान के दौरे पर हैं। जहां इस दौरे के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने ग्रीनलैंड को लेकर बयान दिया है। इस बयान में उन्होंने अमेरिका की ओर से उठाए गए सुरक्षा सवालों को गंभीर और जायज बताया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि उस मुद्दे पर बातचीत और फैसला अटलांटिक गठबंधन यानी नाटो के ढांचे के अंदर ही होना चाहिए। मेलोनी ने आगे कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा नाटो के सभी देशों के साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्कटिक क्षेत्र में सहयोगी देशों की मौजूदगी को भी मजबूत करने पर विचार किया जाना चाहिए। लेकिन इससे आपसी मतभेद या विभाजन के रूप में नहीं देखना चाहिए। जॉर्जिया मेलोनी ने साफ किया कि ग्रीनलैंड को लेकर किसी भी तरह के जमीनी सैन्य हस्तक्षेप की संभावना बेहद कम है। उनके अनुसार यह एक राजनीतिक विषय है और इसका समाधान भी राजनीतिक बातचीत के जरिए ही निकलेगा। मेलोनी ने कहा कि यह इलाका सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं बल्कि पूरे यूरोप और सभी देशों के लिए रणनीतिक रूप से अहम है। आपको बता दें कि ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिका और यूरोप के बीच अब तनाव बढ़ता दिख रहा है। जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि 1 फरवरी से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, फिनलैंड और ब्रिटेन से आयात होने वाले सामानों पर 10इ अतिरिक्त टेरिफ लगाया जाएगा। जिसके बाद 1 जून से यह टेरिफ बढ़ाकर 25इ तक कर दिया जाएगा। और टेरिफ का इस तरह बढ़ना तब तक जारी रहेगा जब तक ग्रीनलैंड पर कोई समझौता नहीं होता। वहीं यूरोप के कई बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ट्रंप के टेरिफ की धमकी को गैर मंजूर बताया है और बोला है कि यूरोप इसका एक साथ जवाब देगा। अब देखना यह होगा कि ग्रीनलैंड को लेकर यह विवाद यूरोप और अमेरिका के रिश्तों पर क्या असर डालेगा।

पाकिस्तान में भीषण धमाका, दहला कराची, लोगों के उड़े चिथड़े!

कराची। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में एक ऐसा धमाका हुआ है जिसने 25 करोड़ पाकिस्तानियों को झकझोर कर रख दिया है जिसने लाहौर से लेकर इस्लामाबाद में खतरनाक बवाल मचा कर रख दिया है। कराची से उठा यह धुआं लोगों की यह चीख पुकार 1406 किमी दूर राजधानी इस्लामाबाद को भी हिला कर रख देने वाली है। दरअसल पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची में उस वक्त हड़कंप मच गया जब शहर के व्यस्त एमए जिन्ना रोड इलाके में स्थित गुल प्लाज़ा शॉपिंग मॉल में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि कुछ ही मिनटों में उसने बहुमंजिला इमारत के कई हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। दूर-दूर तक काले धुएं का घना गुब्बारा आसमान में छा गया और मॉल के अंदर मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हर तरफ अफरातफरी मच गई, भगदड़ मच गई। सब चीखपुकार के कारण हैरान हो गए। चश्मदीदों के मुताबिक आग मॉल के भीतर अचानक भड़के और बेहद तेजी से फैल

गई। घना धुआं इतना ज्यादा था कि लोगों को सांस लेना मुश्किल हो गया। कई लोग दुकान में फंस गए तो कई जान बचाने के लिए अपना सारा सामान वहीं छोड़कर बाहर की ओर दौड़ पड़े। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि दर्जनों लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां कुछ की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग लगने के बाद पूरे इलाके में दहशत और अफरातफरी का माहौल था। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची लेकिन आग पर काबू पाने में काफी वक्त लग गया।

फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और प्रशासन का कहना है कि आग पूरी तरह बुझाने के बाद मामले की जांच शुरू की जाएगी। लेकिन यह पहली बार नहीं है। कराची समेत पाकिस्तान के कई शहरों में फायर सेफ्टी सिस्टम की भारी कमी बार-बार सामने आती रही है। नवंबर 2023 में भी कराची के एक शॉपिंग मॉल में आग लग गई थी। जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी और 22 लोग घायल हुए थे। बार-बार होने वाली यह घटनाएं पाकिस्तान में कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर, लापरवाह प्रशासन और आम जनता की लाचारी को उजागर करती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)